P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 13 जून 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 195
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

16 से खुलेंगे स्कूल अफसर बनेंगे शिक्षक

पेज-2

साउथ कोरिया का विजयी आगाज़

पेज-5

लालबाग पैलेस में टेंडर जारी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- TMC विधायक कुणाल घोष को CID ने भेजा नोटिस
- दिल्ली के विद्युत उपभोक्ताओं को झटका, महंगी हो सकती है बिजली
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो देशों की यात्रा के तहत फ्रांस के लिए रवाना हुए
- TMC को दबाने की कोशिश हो रही है : अभिषेक बनर्जी
- कैलिफोर्निया के शाही रेस्टोरेंट में फायरिंग की जिम्मेदारी मुन्ना ब्राम्पटन नाम के गैंगस्टर ने ली
- सबरीमाला सोना चोरी मामले के एक आरोपी मुरारी बाबू का निधन
- प्रसिद्ध दिवंगत शूटर जसपाल राणा का अंतिम संस्कार आज बनारस में होगा
- कोलकाता : ED अधिकारियों ने दक्षिणेश्वर में TMC विधायक मदन मित्रा के घर पर छापेमारी की
- ईरान ने होर्मुज से गुजर रहे जहाजों को फिर बनाया निशाना, ड्रोन से किया हमला
- UAE ने ईरान को फंड ट्रांसफर करने के दावों का किया खंडन
- आज तीन दिन के केरल दौरे पर जाएंगे RSS प्रमुख मोहन भागवत

मोहन सरकार ने सत्ता-संगठन के समीकरणों को बदला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● 11 दिसंबर 2023... भोपाल का वह सर्द दिन, जिसने मध्य प्रदेश की राजनीति का एक नया अध्याय लिखा था। भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक दल का ग्रुप फोटो खींचा जा रहा था। तस्वीर में पहली और दूसरी पंक्ति में पार्टी के बड़े चेहरे मौजूद थे... शिवराज सिंह चौहान, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद सिंह पटेल, नरेंद्र सिंह तोमर, गोपाल भार्गव। वहीं, तीसरी कतार में एक चेहरा शांत भाव से बैठा था और वे थे डॉ. मोहन यादव। घड़ी की सुइयां दोपहर के 3 बजकर 30 मिनट का समय बता रही थीं। सर्द हवाएं चल रही थीं, पर वहां मौजूद किसी व्यक्ति को यह अंदाजा नहीं था कि अगले 45 मिनट में मध्यप्रदेश की राजनीति की दिशा और दशा दोनों बदलने वाली हैं। फोटो सेशन खत्म हुआ। इसके बाद विधायक दल की बैठक शुरू हुई। केंद्रीय पर्यवेक्षक मनोहर लाल खट्टर मंच पर मौजूद थे। बैठक के दौरान एक पर्ची शिवराज सिंह चौहान तक पहुंची। उन्होंने पर्ची देखी और विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा करने के लिए खड़े हुए। उन्होंने डॉ. मोहन यादव का नाम पुकारा। कहा जाता है कि पहली बार में मोहन यादव स्वयं भी अपना नाम नहीं सुन पाए। जब दूसरी बार उनका नाम दोहराया गया, तब वे सीट से उठे और मंच की ओर बढ़े। कुछ ही क्षणों बाद यह साफ हो चुका था कि मध्यप्रदेश को नया मुख्यमंत्री मिल गया है। भाजपा विधायक दल ने डॉ.मोहन यादव को अपना नेता चुन लिया था। इसके साथ ही बीजेपी ने नई राजनीतिक परंपरा को जन्म दिया। ऐसी परंपरा, जिसमें आखिरी क्षण तक नाम गोपनीय रखा जाता है और सत्ता का शीर्ष पद किसी भी कार्यकर्ता तक पहुंच सकता है। दो दिन बाद, 13 दिसंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब 13 जून 2026 को उनकी सरकार अपने पांच वर्षीय कार्यकाल का आधा सफर पूरा कर रही है। ऐसे में यह सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि उस राजनीतिक प्रयोग का पड़ाव है, जिसने मध्यप्रदेश में सत्ता के समीकरण बदल दिए। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रचंड बहुमत हासिल किया था। नतीजों के बाद यह चर्चा जरूर थी कि पार्टी कुछ नया कर सकती है, पर यह अनुमान बहुत कम लोगों ने लगाया था कि नया चेहरा डॉ. मोहन यादव होंगे। राजनीतिक गलियारों में कई नाम चल रहे थे। अनुभवी नेताओं से लेकर केंद्रीय मंत्रियों तक की चर्चा थी। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीतिक जोड़ी ने ऐसा फैसला लिया, जिसने सभी राजनीतिक आकलनों को पीछे छोड़ दिया।

इन ढाई वर्षों में डॉ. मोहन यादव ने अपनी अलग कार्यशैली और संगठन से लेकर सरकार तक मजबूत पकड़ का परिचय दिया है। राजनीति में कोई भी नेतृत्व अकेले नहीं चलता। सत्ता के शिखर पर दिखाई देने वाला चेहरा भले एक हो, पर उसकी सफलता के पीछे कई ऐसे लोग होते हैं, जो रणनीति बनाते हैं, सलाह देते हैं, संगठन और सरकार के बीच पुल का काम करते हैं। साथ ही प्रशासनिक मशीनरी को गति देते हैं और संकट के समय भरोसेमंद सहयोगी बनकर खड़े रहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आसपास भी ऐसे ही कुछ चेहरे हैं, जिन्हें राजनीतिक गलियारों में उनकी टीम के सबसे प्रभावशाली लोगों के रूप में देखा जाता है। कोई वैचारिक मार्गदर्शक है, कोई प्रशासनिक स्तंभ, कोई संगठन का सूत्रधार तो कोई वर्षों पुराना विश्वासपात्र।

सुरेश सोनी : सबसे बड़े मार्गदर्शक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेश सोनी को डॉ. मोहन यादव के राजनीतिक जीवन का सबसे प्रभावशाली चेहरा माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों और संघ से जुड़े जानकारों की राय में दोनों का रिश्ता केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि अभिभावक और शिष्य जैसा है।

हेमंत खंडेलवाल: मजबूत कड़ी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद राजनीतिक सहयोगियों में गिना जाता है। बैतूल से विधायक खंडेलवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के पीछे भी डॉ. मोहन यादव की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। दिलचस्प बात यह है कि हेमंत खंडेलवाल और डॉ. मोहन यादव दोनों के राजनीतिक मार्गदर्शक सुरेश सोनी ही हैं। यही कारण है कि दोनों के बीच बेहतर तालमेल दिखाई देता है। सरकार और संगठन के बीच समन्वय, दिल्ली में होने वाली बैठकों में उनकी भूमिका लगातार बढ़ी है।

डॉ. श्रीराम तिवारी: प्रमुख सलाहकार

मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार डॉ. श्रीराम तिवारी उन लोगों में शामिल हैं, जिनकी भूमिका सरकार के वैचारिक और सांस्कृतिक एजेंडे को दिशा देने में सबसे महत्वपूर्ण है। उज्जैन निवासी डॉ. तिवारी वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव और महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक हैं।

नीरज मंडलोई : अहम प्रशासनिक कड़ी

1993 बैच के वरिष्ठ आईएएस नीरज मंडलोई मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं और प्रशासनिक व्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण चेहरों में शामिल हैं। उनका पारिवारिक और प्रशासनिक दोनों ही बैकग्राउंड मजबूत रहा है।

डॉ. निशांत खरे: रणनीति के युवा चेहरे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से आने वाले डॉ. निशांत खरे वर्तमान में भाजपा मध्य प्रदेश के उपाध्यक्ष हैं। वे पहले युवा आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। संगठनात्मक रणनीति, राजनीतिक प्रबंधन और चुनावी गणित पर उनकी पकड़ मानी जाती है। निशांत खरे की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि मुख्यमंत्री स्वयं इंदौर जिले के प्रभारी हैं। पार्टी और सरकार के बीच सलाहकार की भूमिका में उन्हें सक्रिय माना जाता है।

शैलेन्द्र बरुआ : संगठन की नब्ज

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ लंबे समय से संगठन की राजनीति में सक्रिय हैं। वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल दोनों के करीबी माने जाते हैं। पूर्व में संभागीय संगठन मंत्री रह चुके बरुआ संगठन की कार्यप्रणाली और जमीनी संरचना को गहराई से समझते हैं। सरकार और संगठन के बीच समन्वय, पार्टी विस्तार, बैठकों और राजनीतिक कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भूमिका रहती है।

इंदौर। ब्रिक्स सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पौधरोपण किया। उनके साथ मंत्री तुलसी राम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक रमेश मेंदोला भी मौजूद थे।

नहीं सुधर रही निगम की माली हालत

वेतन के अलावा ठेकेदारों के 500 करोड़ से अधिक का बकाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम की आर्थिक स्थिति सुधरने की बजाय बिगड़ती जा रही है। तकरीबन 600 करोड से अधिक की राशि ठेकेदारों को भुगतान करनी है और वह निगम के पास नहीं है। हालत तो इस कदर खराब है कि निगमकर्मियों को भी वेतन के लाले पड़ गए हैं। अभी तक कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा है।

बताया जा रहा है कि इस मामले को लेकर निगम कमिश्नर भी अब भोपाल के भरोसे हैं और जल्द ही सरकार से चर्चा करने जा रहे हैं। निगम की हालत इन दिनों बेहद खराब है। नियमित खर्च भी नहीं उठा पा रहा है और अपने कर्मचारियों को वेतन भी नहीं दे पाया है। आज भी जिन कर्मचारियों का वेतन अभी तक जारी हो जाना था उनको हर महीने की 11 तारीख होने के बावजूद वेतन नहीं दे पा रहे हैं। यही कारण है कि पिछले दिनों भी इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव के समक्ष भी ले गए थे लेकिन भोपाल से भी राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। अब कहा जा रहा है कि एक बार फिर भोपाल से चर्चा करेंगे लेकिन फिलहाल इस मामले में कुछ नहीं कहा जा सकता है। निगम सूत्रों के मुताबिक जिस तरह से निगम की हालत खराब है उसको देखते हुए सुधार की गुंजाइश नहीं के बराबर है और ठेकेदारों ने फिलहाल काम करना भी कई जगह बंद कर दिए हैं। अब देखने में यह आ रहा है कि आगे की रणनीति क्या होगी।

यह भविष्य में होगा लेकिन अभी की स्थिति में निगम की हालत बेहद खराब होती जा रही है। अभी हाल ही में नियमित खर्च भी निगम उठाने के लायक नहीं रह गया है लेकिन अकेले निगम में रजिस्टर्ड काम करने वाले ठेकेदारों को ही भुगतान निगम को लगभग 600 के आस-पास करना है जिसके लिए ठेकेदार नगर निगम के चक्कर लगा रहे हैं और कई प्रोजेक्ट अधर्म लटक गए हैं। इधर सरकार की ओर से भी कोई मदद नहीं मिली है जबकि वास्तविकता यह भी है कि सरकार की भी ज्यादातर मुफ्तखोरी की योजना से परेशानी होती जा रही है। इसके चलते निगम की हालत और खराब है। इस मामले को लेकर कहा जा रहा है कि जल्द ही इस मामले में फैसला लेंगे। हालांकि निगम में इनकम भी बराबर नहीं हो पा रही है वसूली अभियान भी थोड़ा सा अभी ठप पड़ा हुआ है। निगम कमिश्नर क्षितिज कुमार सिंघल ने बताया कि इस स्थिति को लेकर एक बार भोपाल शासन स्तर पर चर्चा करेंगे। हम जल्द ही इस मामले में चर्चा कर सकते हैं।

राज्यसभा की सीट गंवाने के बाद भड़के कांग्रेसी विधायक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राज्यसभा चुनाव में मध्य प्रदेश से कांग्रेस की उम्मीदवार रहीं मीनाक्षी नटराजन के हार और नामांकन पत्र खारिज होने के साथ ही कांग्रेस विधायकों की बाड़ेबंदी को लेकर शुरू हुआ विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस के हरदा से विधायक राम किशोर दोगने ने खुलकर अपनी नाराजगी जताई है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायकों और उनके परिवारों को एयरपोर्ट पर करीब पांच घंटे तक इंतजार करना पड़ा, लेकिन वहां पीने के पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं तक की व्यवस्था नहीं थी। इस दौरान उन्होंने चुनाव में डमी फॉर्म नहीं भरे जाने को भी एक बड़ी चूक बताया है। वहीं चुनाव में भाजपा पर संख्या बल नहीं होने के बावजूद राजनीतिक खेल खेलने का आरोप लगाया। विधायक ने एयरपोर्ट पर हुई अव्यवस्था, फॉर्म रिजेक्ट होने, बाड़ेबंदी और भाजपा के आरोपों पर विस्तार से अपनी बात रखी। दोगने से बात करते हुए जब उनकी नाराजगी को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि अगर विधायक एयरपोर्ट लॉन पांच घंटे खड़े रहे तो यह बेइज्जती ही है। मैनेजमेंट ठीक तरीके से नहीं किया गया था। एयरलाइंस की ओर से भी बार-बार गुमराह किया जा रहा था। उन चीजों को हमारे लोगों ने भी ठीक से मैनेज नहीं किया, इसलिए मेरी नाराजगी थी।

श्रद्धालुओं पर नया बोझ | प्रबंध समिति ने 25 मिनट के शो के लिए 100 रु. शुल्क तय किया

महाकाल मंदिर का लाइट शो अब नहीं निःशुल्क

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की जेब पर और बोझ बढ़ने वाला है। महाकाल मंदिर परिसर में चलने वाले प्रसिद्ध लाइट एंड साउंड शो को देखने के लिए अब श्रद्धालुओं को 100 रुपए प्रति व्यक्ति का शुल्क देना होगा। मंदिर प्रबंध समिति ने इस नई व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है।

गौरतलब है कि करीब 7 महीने तक मुफ्त संचालन के बाद अब इस शो को पेड किया गया है। इस शो का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 अक्टूबर 2025 को दीपावली के अवसर पर किया था। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने इसे करीब 18 करोड़ 7 लाख

रुपए की लागत से तैयार किया है।

करीब 25 मिनट के इस शो में वॉटर स्क्रीन, फाउंटेन, लेजर लाइट और बेहतरीन साउंड इफेक्ट्स के जरिए भगवान महाकाल, मां क्षिप्रा और प्राचीन अवंतिका नगरी (उज्जैन) की गौरव गाथा दिखाई जाती है। यह पहली बार नहीं है जब महाकाल मंदिर में किसी सुविधा के लिए शुल्क बढ़ाया या लगाया गया हो। इससे पहले भी कई बदलाव हुए हैं। 19 फरवरी 2026 से संध्या आरती और शयन आरती के लिए भी 250 रुपए प्रति व्यक्ति शुल्क लिया जा रहा है, जबकि इससे पहले यह फ्री थी।

शुल्क लगाने के पीछे मंदिर समिति का तर्क

मंदिर प्रशासन का कहना है कि इस भव्य शो के संचालन और रखरखाव पर हर महीने करीब 1.5 लाख रुपए का खर्च आ रहा है। मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार, इसी खर्च को पूरा करने और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए 100 रुपए का एंट्री शुल्क रखने का फैसला लिया गया है।

हर माह 15 लाख रुपए कमाई का अनुमान

कमाई के लिहाज से देखें तो मंदिर समिति को इस फैसले से अच्छी आय होने की संभावना है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, रोजाना करीब 500 श्रद्धालु लाइट एंड साउंड शो देखने पहुंच रहे हैं। यदि प्रत्येक श्रद्धालु से 100 रुपए शुल्क लिया जाता है तो समिति को प्रतिदिन लगभग 50 हजार रुपए की आय होगी। इस हिसाब से एक महीने में करीब 15 लाख और सालभर में लगभग 1.8 करोड़ रुपए का राजस्व मिल सकता है, जबकि शो के संचालन और रखरखाव पर हर महीने करीब डेढ़ लाख रुपए खर्च होने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में यह व्यवस्था मंदिर समिति के लिए आय का एक नया स्रोत भी बन सकती है।

कड़े सुरक्षा के इंतजाम पुलिस के दावे की खुली पोल

विदेशी मेहमान और वीआईपी शहर में मौजूद थे फिर भी हो गई 30 लाख की लूट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पंढरीनाथ इलाके में कलेक्शन एजेंट के साथ 30 लाख की लूट ने पुलिस के दावों की पोल खोलकर रख दी है। विदेशी मेहमानों और वीआईपी की ड्यूटी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच यक्ष प्रश्न ये है कि इतनी बड़ी लूट की वारदात कैसे हो गई? वारदात के बाद पुलिस टीमें हाईटेक तरीके से आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा। पुलिस गुत्थी सुलझाने के लिए व्यापारी के दो नौकरों से पूछताछ कर फरियादी के मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाल रही है।

शहर में चार दिनों से वीआईपी मूवमेंट है। गुरुवार को तो मुख्यमंत्री भी शहर में ही थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान रात को इन्दौर पहुंचे थे। दूसरी ओर शहर में चल रहे ब्रिक्स सम्मेलन में कई देशों के प्रतिनिधि, अफसर शामिल है। पुलिस का दावा है कि पूरे शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। इसके बाद भी पंढरीनाथ क्षेत्र के निहालपुरा से स्क्रेप कारोबारी के कर्मचारी मुकुल अग्रवाल से करीब 30 लाख रुपए की लूट हो गई। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर बम्बई बाजार पुलिस चौकी है, गुरुद्वारा पर भी पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं ऐसे में दोनों पुलिस के चैकिंग पाइंट के बीच हुई घटना पुलिस के दावों की पोल खोल रही है। गुरुवार रात को कुछ विदेशी मेहमान सराफा चौपाटी भी पहुंचे थे जिसके कारण घटनास्थल से नजदीक ही पुलिसबल भी तैनात था इसके बाद भी ये सनसनीखेज वारदात हो गई। लूट के मामले में पुलिस रातभर खाक छानती रही लेकिन अभी भी पुलिस के हाथ खाली हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपियों ने रैकी कर वारदात को अंजाम दिया। वह मच्छी बाजार की ओर से भागे व गायब हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों का रूट मैप बनाया है। हेलमेट और मुंह पर रूमाल बांधे स्कूटर सवार बदमाशों ने खुद को पुलिस बताकर वारदात को अंजाम देते हुए 29 लाख 65 हजार रूपए से भरा बैग छीना और फरार हो गए थे।

न्यूज ब्रीफ

अधिकमास में देवी कथा का अलग महत्व है - पं. शर्मा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मां उमिया की कृपा से खजराना क्षेत्र में द्वितीय बार श्रीमद् देवी भागवत कथा, दूर्गा पाठ एवं बगलामुखी माता अनुष्ठान पाटीदार समाज धर्मशाला खजराना इन्दौर में चल रही है। देवी भागवत कथा के आयोजन शालीग्राम व्यायामशाला के संरक्षण महेश सुलोचना पाटीदार ने बताया की देवी कथा 15 जून तक जारी रहेगी। इस धार्मिक अनुष्ठान में मालवा के गौरव संत श्री पंडित अनिल शर्मा जी ने कहा कि अधिक मास में देवी कथा का अपना महत्व है। इससे सभी प्रकार के कष्ट रोग दूर हो जाते हैं, और भक्ति से मां की अराधना करने से हम सभी को रिद्धी-सिद्धी की प्राप्ति होती है। संगीतमय इस कथा से क्षेत्र की धर्म प्रेमी जनता में बड़ा उल्लास बना हुआ है। देवी भागवत कथा में विशेष रूप से अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार भी उपस्थित थे, उन्होंने मां के चरणों में पुष्प अर्पित किए और कहा कि सनातन संस्कृति व धर्म हमें अपनी सभ्यता से जोड़े हुए हैं।

भारत में लॉन्च हुआ पोवा 8

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आजकल स्मार्टफ़ोन एक जैसे दिखने लगे हैं। एक जैसा स्लैब, एक जैसी सुरक्षित फ़िनिश और एक जैसा साधारण बैक। पोवा 8 को इन सबसे बिल्कुल अलग सोच के साथ डिज़ाइन किया गया था। पोवा 8, पोवा की लाइनअप का सबसे नया और अब तक का सबसे दमदार मॉडल है। इसमें फ़्यूचरिस्टिक साइबरपंक डिज़ाइन, एक ऐसा लाइटिंग सिस्टम जो असल में आपके हिसाब से काम करता है, और हर तरह की चुनौती का सामना करने वाला हार्डवेयर है।

'नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव' शो 15 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय दर्शकों ने अब तक रोमांचकारी शो, रियलिटी प्रतियोगिताएं और सहनशक्ति परखने के लिए बने कार्यक्रम तो बहुत देखे हैं, लेकिन डिस्कवरी का आगामी शो 'नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव' भारतीय टेलीविजन पर पहले कभी न देखा गया सर्वाइवल अनुभव ला रहा है। वैश्विकस्तर पर सफल 'नेकेड एंड अफ्रेड' फ्रेंचाइजी के पहले भारतीय रूपांतरण के रूप में यह सीरीज रोमांच, सहनशक्ति और वास्तविक सर्वाइवल को एक साथ लाएगी, जिसमें प्रतिभागियों की सीमाओं को उनके अंतिम बिंदु तक परखा जाएगा। 15 जून को रात 11 बजे डिस्कवरी चैनल और डिस्कवरी प्लस पर प्रदर्शित होने वाला यह शो 6 भारतीय प्रतिभागियों को फिलिपींस के पलावन के खतरनाक जंगलों में ले जाएगा, जहां उन्हें अनजान जंगलों, अनिश्चित मौसम और विषम परिस्थितियों में सीमित संसाधनों के साथ बिना किसी आधुनिक सुविधाओं के रहना होगा।

लोकतंत्र सैनानी सम्मेलन 26 जून को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुसार 26 जून 2026 को भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में 'लोकतंत्र सैनानी सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। जिले के समस्त लोकतंत्र सैनानियों से अपील कि गई है कि वे अपने परिवार सहित सम्मेलन में अनिवार्य रूप से सहभागिता करें। साथ ही जिन लोकतंत्र सैनानियों का स्वर्गवास हो चुका है, उनके परिवारजनों से भी कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

एमपीआईडीसी इंदौर में वर्कशॉप 16 जून को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश इंडस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन एवं डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस प्रोडक्शन द्वारा देश को रक्षा उत्पादों के विनिर्माण एवं इसमें लॉर्ज इकाईयों के साथ-साथ एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षा संस्थान, औद्योगिक संगठन आदि की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु 16 जून को कार्यशाला का आयोजन होगा।

नई व्यवस्था से नियमित करदाता भी परेशान, निगम के राजस्व विभाग में बढ़ रहे विवाद

निगम की अजब-गजब व्यवस्था : माह में केवल 15 दिन पानी, लेकिन टैक्स पूरे माह का

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एक ओर शहर में पानी की किल्लत से लोग जूझ रहे हैं, दूसरी ओर जल कर वसूली की नई व्यवस्था परेशानी बढ़ा रही है। जल कर का बिल समय पर जमा नहीं होने पर अब हर महीने 33 रुपए की पेनल्टी लगाई जा रही है। खास बात यह है कि इस व्यवस्था का असर केवल बकायादारों पर ही नहीं, बल्कि नियमित और अग्रिम भुगतान करने वाले करदाताओं पर भी पड़ रहा है। इसे लेकर राजस्व विभाग में शिकायतों और विवादों का सिलसिला लगातार जारी है।

पानी की मांग को पूरा करने करीब 650 टैंकर लगातार दौड़ रहे हैं। वहीं 105 पानी की टंकियों को भरने और जल वितरण की निगरानी भी की जा रही है। इसके बावजूद पानी की समस्या खत्म नहीं हो पा रही है। कई मोहल्लों में जल सप्लाई शुरू होने के शुरुआती 5 से 10 मिनट तक गंदा पानी आने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं।

450 एमएलडी पानी, फिर भी एक दिन छोड़कर सप्लाई : नर्मदा परियोजना के तीनों चरणों से शहर को वर्तमान में लगभग 450 एमएलडी पानी मिल रहा है। इसके बावजूद शहरवासियों को एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है। यानी महीने के लगभग 15 दिन ही जलापूर्ति हो रही है, लेकिन जलकर की पूरी राशि वसूली जा रही है।

नियमित करदाता भी परेशान : वर्तमान में नगर निगम द्वारा अग्रिम कर भुगतान की अपील की जा रही है, लेकिन ऐसे करदाता जिन्होंने चालू वित्त वर्ष मलतब 2026-2027 में जून माह तक बिल जमा नहीं किया है उन्हें भी जून माह तक की पेनल्टी चुकानी होगी। विजयनगर निवासी करदाता राजेश शर्मा का कहना है कि वे हर साल समय पर जल कर जमा करते हैं, फिर भी तकनीकी त्रुटियों के कारण बकाया और पेनल्टी दिखाई देती है। अन्नपूर्णा क्षेत्र की करदाता सीमा वर्मा बताती हैं कि अग्रिम भुगतान करने के बावजूद उन्हें बिल संबंधी जानकारी के लिए निगम कार्यालय के चक्कर लगाने पडे।

निगम का तर्क : वसूली बढ़ाने के लिए सख्ती जरूरी - नगर निगम के राजस्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बड़ी संख्या में लोग जल कर का भुगतान समय पर नहीं करते हैं। इसी कारण सरकार ने मासिक पेनल्टी का प्रावधान लागू किया है ताकि राजस्व वसूली में सुधार हो सके।

हर महीने बिल, हर महीने जुर्माना

पहले जल कर का बिल तीन महीने में एक बार जारी होता था। उस दौरान भुगतान नहीं होने पर तीन माह बाद 60 रुपए की पेनल्टी लगती थी। अब शासन के निर्देशों के बाद हर महीने बिल जारी किया जा रहा है और बकाया रहने पर सीधे 33 रुपए का जुर्माना जोड़ दिया जाता है। नई व्यवस्था में यदि कोई उपभोक्ता तीन महीने तक बिल जमा नहीं करता है तो उसे 99 रुपए तक पेनल्टी चुकानी पड़ती है, जबकि पहले यही राशि 60 रुपए थी। ऐसे में उपभोक्ताओं का कहना है कि नई व्यवस्था आर्थिक बोझ बढ़ाने वाली साबित हो रही है।

ऐसे समझे बिल नहीं चुकाने पर लग रही पेनल्टी

- शहर में जलकर के करीब 3.25 लाख खाते हैं।
- जलकर मद में लगभग 750 करोड़ रुपए बकाया है।
- वितीय वर्ष 2025-26 में करीब 40 करोड़ रुपए जलकर वसूला गया।
- 300 रुपए प्रतिमाह जलकर निर्धारित है।
- 3,600 रुपए सालाना जलकर देय होता है।
- बिल जमा नहीं करने पर 33 रुपए प्रति माह पेनल्टी लगती है।
- सालभर में पेनल्टी की राशि 396 रुपए तक पहुंच सकती है।
- पहले तीन महीने तक भुगतान नहीं करने पर 60 रुपए पेनल्टी लगती थी।
- अब तीन महीने का बकाया होने पर 99 रुपए तक पेनल्टी देना पड़ती है।

चार घंटे देरी से इंदौर पहुंचा विमान एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा

चंडीगढ़ में तकनीकी खराबी के कारण बिगड़ा इंडिगो का शेड्यूल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल पर गुरुवार को उड़ानों में देरी के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा असर इंडिगो की चंडीगढ़-इंदौर-बेंगलुरु फ्लाइट पर देखने को मिला, जो चंडीगढ़ में तकनीकी खराबी के कारण करीब चार घंटे देरी से इंदौर पहुंची। इसके चलते बेंगलुरु जाने वाले यात्रियों को भी घंटों इंतजार करना पड़ा और एयरपोर्ट पर नाराजगी का माहौल बन गया।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6738 का चंडीगढ़ से इंदौर आगमन समय दोपहर 2:10 बजे निर्धारित था, लेकिन विमान में तकनीकी समस्या आने के कारण उड़ान देरी से रवाना हुई और शाम 6:09 बजे इंदौर पहुंच सकी। यही विमान इंदौर से बेंगलुरु के लिए फ्लाइट 6ई-6739 के रूप में संचालित होता है, जिसे दोपहर 2:40 बजे उड़ान भरनी थी। विमान के देर से पहुंचने के कारण यह उड़ान शाम 7:06 बजे रवाना हो सकी। करीब साढ़े चार घंटे की देरी से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा अधिकारियों से जवाब-तलब किया। एयरलाइन ने यात्रियों को रिफंड, री-शेड्यूलिंग और वैकल्पिक यात्रा विकल्प उपलब्ध कराकर स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि यात्रियों का कहना था कि समय पर अपडेट नहीं मिलने से उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ी। कर एयरलाइन

दिल्ली और हैदराबाद की उड़ानें भी लेट : दिल्ली से इंदौर आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1716 भी परिचालन कारणों से निर्धारित समय से काफी देरी से पहुंची। वहीं इंदौर से दिल्ली जाने वाली एआई-1865 की उड़ान भी लेट रही। इसके अलावा इंदौर से हैदराबाद जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई-6916 भी प्रभावित हुई। यह उड़ान शाम 6:45 बजे रवाना होनी थी, लेकिन आने वाली फ्लाइट के देर से पहुंचने के कारण करीब एक घंटे की देरी से 7:43 बजे उड़ान भर सकी। गौरतलब है कि इससे दो दिन पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस की पुणे-इंदौर-दिल्ली उड़ान भी पुणे में तकनीकी खराबी के कारण लगभग पांच घंटे देरी से संचालित हुई थी। लगातार सामने आ रही तकनीकी खराबियों और परिचालन कारणों से उड़ानों में हो रही देरी ने यात्रियों की चिता बढ़ा दी है।

जयपुर की फ्लाइट पर मौसम की मार

गुरुवार को जयपुर से इंदौर आने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई-7744 भी खराब मौसम के कारण प्रभावित रही। यह उड़ान शाम 7 :35 बजे इंदौर पहुंचने वाली थी, लेकिन इसका आगमन समय रात 8 :45 बजे तक पहुंच गया। इसी तरह इंदौर से जयपुर जाने वाली फ्लाइट 6ई-7745 भी निर्धारित समय 7 :55 बजे की बजाय रात 9 :05 बजे रवाना हुई।

नगर निगम से लोखंडे पुल तक विकसित होगा रिवर फ्रंट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर की पहचान से जुड़ी कान्ह नदी को नया स्वरूप देने की दिशा में नगर निगम द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है। कृष्णपुरा पुल (नगर निगम मुख्यालय) से लेकर लोखंडे पुल तक करीब 1200 मीटर क्षेत्र में रिवर फ्रंट विकसित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम जारी है। परियोजना पूरी होने के बाद शहरवासियों को नदी का एक सुंदर और व्यवस्थित स्वरूप देखने को मिलेगा।

शुक्रवार को परियोजना स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अवलोकन के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि नगर निगम ने 1200 मीटर के इस हिस्से को रिवर फ्रंट के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया था, और परियोजना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मेहनत की चाबी से खुल जाता है हर ताला : डॉ. गुप्ता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मेहनत का कोई विकल्प नहीं है और सतत अभ्यास सफलता की कुंजी है। शिक्षा जगत में की गई मेहनत से चाबी बनती है जो हर ताले को खोल देती है। यह बात स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के कार्यक्रम काबिलियत को सलाम में मुख्य अतिथि चिकित्सक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. दिव्या गुप्ता ने कही। कार्यक्रम में शिक्षाविद स्वप्निल कोठारी, समाजसेवी रहीम खान, नाहटा प्रोफेशनल एकेडमी के डायरेक्टर जतिन डेमला, बालमित्र संस्था के पवन जोशी और पत्रकार गुरनीत कौर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। नाहटा प्रोफेशनल एकेडमी के डायरेक्टर ने घोषणा की मीडियाकर्मियों के बच्चों को उनकी एकेडमी की फीस में 50 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी। कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों के 100 से अधिक बच्चों को प्रमाण-पत्र, मोमेंटो, स्कूल बैग, वाटर बोटल, कापियां और गिफ्ट हेम्पर देकर सम्मानित किया गया।

गृह ज्योति योजना में दी 147 करोड़ की सब्सिडी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी राज्य शासन की अटल गृह ज्योति योजना का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही हैं। पिछले एक बिल माह के दौरान कंपनी क्षेत्र के पात्र घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में 147 करोड़ सत्तर लाख रूपए की सब्सिडी प्रदान की गई है। राज्य शासन की इस सब्सिडी योजना से 26.66 लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। सबसे ज्यादा इंदौर जिले के 3.15 लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं, इन्हें 14 करोड़ से ज्यादा की राहत प्रदान की गई है। धार जिले के 2.62 लाख उपभोक्ताओं ,खरगोन जिले के 2.49 लाख उपभोक्ताओं को, उज्जैन जिले के 2.35 लाख उपभोक्ताओं को, रतलाम जिले के 2.15 लाख उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना से लाभान्वित कर बिल में सब्सिडी प्रदान की गई है।

प्रवेश उत्सव के तहत स्कूलों में पहुंचकर एक-एक घंटे की लेंगे कक्षा

16 से खुलेंगे स्कूल, अफसर बनेंगे शिक्षक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत को उत्सव के रूप में मनाने के लिए मंगलवार 16 जून को जिले के अधिकारी एक बार फिर शिक्षकों की भूमिका में नजर आएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रवेश उत्सव के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारी शासकीय स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों के साथ समय बिताएंगे और एक-एक घंटे की कक्षा भी लेंगे। विभाग में इसका खाका तैयार कर लिया है। हालांकि अभी कौन से अधिकारी किस स्कूल में जाएंगे, इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

बच्चों को पढ़ाएंगे : मंगलवार को प्रवेश उत्सव के दौरान न अधिकारी न केवल बच्चों से मिलेंगे, बल्कि उन्हें भविष्य की संभावनाओं सफलता से भी रूबरू करवाएंगे। कलेक्टर शिवम वर्मा

पार्क रोड स्थित शास. उत्कृष्ट विद्यालय बाल विनय मंदिर में मंगलवार सुबह स्कूल चले हम अभियान के तहत बच्चों को पढ़ाने पहुंचेंगे। वहीं निगमायुक्त क्षितिज सिंघल शास, शारदा कन्या स्कूल बड़ा गणपति में छात्राओं को पढ़ाएंगे। जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन शास. सिंधी गर्ल्स स्कूल जूनी इंदौर में पढ़ाने जाएंगे। साथ ही कई आईपीएस और आईएएस अधिकारी, एसडीएम, एडीएम भी बच्चों को बढ़ाने के लिए पहुंचेंगे।

नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया जाएगा स्वागत

अप्रैल में नई शिक्षा सत्र की शुरुआत के दौरान भी अधिकारियों ने एक दिन के लिए शिक्षक की भूमिका अदाकर बच्चों को प्रोत्साहित किया था। अब 16 जून से शुरू हो रहे नियमित सत्र में भी नए बच्चों के लिए यह प्रक्रिया दोहराई जाएगी। प्रवेश उत्सव के दौरान स्कूलों में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर और मिठाई वितरित कर किया जाएगा, साथ ही स्कूल परिसर में स्वच्छता, पौधरोपण और विभिन्न जागरुकता गतिविधियां भी आयोजित होंगी। जिले के सभी विकासखंडों में यह आयोजन एक साथ किया जाएगा।

तुलसी नगर में अवैध हॉस्टलों का बढ़ता संकट, छत पर चल रही शराब पार्टी में पुलिस से हुई झूमाझटकी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर की प्रतिष्ठित आवासीय कॉलोनियों में शामिल तुलसी नगर में संचालित कथित अवैध हॉस्टलों और पेइंग गेस्ट (पीजी) व्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय रहवासियों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। शुक्रवार तड़के एक हॉस्टल की छत पर चल रही शराब पार्टी के दौरान हुए हंगामे ने एक बार फिर कॉलोनी में कानून-व्यवस्था और सामाजिक वातावरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्लॉट क्रमांक 306-बी, तुलसी नगर स्थित एक कथित हॉस्टल की छत पर गुरुवार रात से शराब पार्टी चल रही थी। बताया जाता है कि पार्टी में लगभग 10 युवक एवं 2 युवतियां शामिल थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात तक तेज आवाज, शोर-शराबा और अनुशासनहीन गतिविधियां जारी रहीं, जिससे आसपास के रहवासी परेशान रहे।

सुबह लगभग 4:45 बजे डायल-112 पुलिस वाहन मौके पर पहुंचा और छत पर चल रही पार्टी को बंद कराने का प्रयास किया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार पार्टी में शामिल कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की। इस दौरान छत से शराब की बोतलें एवं प्लास्टिक के गिलास सड़क और समीप के खाली प्लॉट में फेंके गए। स्थिति बिगड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा, जिसके बाद हालात नियंत्रित किए जा सके और पांच लोगों को पुलिस वाहन में बैठाकर थाने ले जाया गया।

स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि तुलसी नगर जैसी शांत एवं पारिवारिक कॉलोनी में पिछले कुछ वर्षों से बड़ी संख्या में अवैध हॉस्टल और पीजी संचालित हो रहे हैं, जिनके कारण आए दिन शोर-शराबा, पार्किंग अव्यवस्था, नशाखोरी और अनुशासनहीन गतिविधियों की शिकायतें सामने आती रहती हैं। रहवासियों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में कई बार इंदौर नगर निगम (आईएमसी) और संबंधित अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक शिकायतें दी हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

वायरल गर्ल की याचिका पर इंदौर हाईकोर्ट में सुनवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वायरल गर्ल की याचिका पर शुक्रवार को इंदौर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। याचिका में उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके दस्तावेजों में हेरफेर कर उनकी वैध शादी को अवैध साबित करने की साजिश रची गई।

सरकार के वकील ने याचिका में गलतियां बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई। इसके बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता वायरल गर्ल को त्रुटियां सुधारने के लिए समय देते हुए सुनवाई को 23 जून तक के लिए टाल दिया। वायरल गर्ल ने कोर्ट में दावा किया है कि उनके पिता ने जन्म संबंधी रिकॉर्ड में बदलाव कर उन्हें नाबालिग दिखाने की कोशिश की। याचिका में कहा गया है कि छोटे भाई के दस्तावेजों को उनका बताकर गलत जानकारी पेश की गई, जबकि वे बालिग हैं। वायरल गर्ल को फिल्मों में काम के अवसर भी मिले। इसी दौरान केरल में फिल्म शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात एक युवक से हुई और मार्च 2026 में दोनों ने विवाह कर लिया।

पति ने जान देकर प्रताड़ना देने वालों को पहुंचाया जेल... पत्नी, साली पर केस दर्ज!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र में एक कारोबारी द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने जांच के बाद पत्नी, साली और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई मर्ग जांच, सुसाइड नोट और परिजनों के दर्ज बयानों के आधार पर की गई है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान विकास सोनी (42) निवासी ऋषभ एन्क्लेव, सर्वसंपन्न नगर, मानवता नगर, इंदौर के रूप में हुई है। 8 जून 2026 की रात उन्होंने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी। घटना स्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ था, जिसे जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है।

मृतक की बड़ी बहन आरती सोनी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि विकास का विवाह 25 फरवरी 2026 को पूजा सोनी से हुआ था। परिजनों का आरोप है कि विवाह के दौरान बड़ी मात्रा में आभूषण और अन्य कीमती सामान दिए गए थे। उनका कहना है कि शादी के बाद पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद की स्थिति बनी रही।

लवकुश चौराहे पर चलती ब्रेजा कार में लगी आग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के लवकुश चौराहे के पास शुक्रवार रात एक चलती कार में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार, घटना लवकुश चौराहे और एमआर-11 के बीच की है। यहां सड़क पर चल रही एक ब्रेजा कार में अचानक आग भड़क उठी। कार से धुआं निकलता देख चालक तुरंत वाहन से बाहर निकल गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस के अनुसार, कार मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आग से कार पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 13 जून 2026

न्यूज ब्रीफ

ध्यान और मंत्रोच्चार से शरीर के सात चक्रों को जागृत करने की 'रामामृतम' साधना का अनूठा प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • स्नेह नगर स्थित श्री अग्रसेन विद्यालय पर विद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों के लिए 'रामामृतम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों को तनाव एवं चिंतामुक्त बनाने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना था। श्री अग्रसेन चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष रसनिधि कुमार गुप्ता, सचिव राम ऐरन और मंत्री महेश सांघी के आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों एवं शिक्षकों को मात्र 7 मिनिट ध्यान एवं मंत्रोच्चार द्वारा शरीर के 7 चक्रों को जागृत एवं संतुलित करने की साधना का सार्थक प्रदर्शन किया गया। 'रामामृतम' साधना मनीष बोहरा एवं उनके साथियों ने कराई। सीबीएसई के निर्देशानुसार विद्यालय प्रबन्धन द्वारा शिक्षकों एवं पालकों में समन्वय के उद्देश्य से यह अनूठा आयोजन किया गया जिसमें साधना के पश्चात शिक्षकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों व संशयों का समाधान भी मनीष बोहरा ने किया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 251 नियमित और 51 महिला रक्तदाताओं का सम्मान समारोह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • स्वच्छता, नेत्रदान, अंगदान और देहदान की तरह अब रक्तदान के मामले में भी इंदौर का नाम देशभर में अग्रणी बनाने के लिए विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) पर देश के पहले नि:शुल्क ब्लड कॉल सेंटर एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा दामोदर युवा संगठन के माध्यम से एक विशिष्ट सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर पीड़ित मानवता की सेवा में जुटे 251 नियमित रक्तदाताओं के साथ ही 51 महिला रक्तदाताओं के सम्मान का अनूठा आयोजन तो होगा ही, सैकड़ों नागरिकों को रक्तदान करने के लिए संकल्प भी दिलाया जाएगा।

संस्था सेवा सुरभि द्वारा आज शाम 'सांसद से संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्था सेवा सुरभि द्वारा वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव के पूर्व सांसद प्रत्याशी के रूप में शंकर लालवानी को आमंत्रित कर उनके समक्ष शहर के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों के साथ सार्थक संवाद का आयोजन कर उनके समक्ष संसदीय क्षेत्र के हित में कुछ समस्याओं, सुझावों और अन्य बिन्दुओं पर विचार मंथन किया गया था। शनिवार 13 जून को शाम 6 बजे से साउथ तुकोगंज, नाथ मंदिर रोड स्थित अरोड़ वंशीय भवन के सामने होटल कलिंगा पर उन सभी बिन्दुओं पर आमंत्रितजनों की मौजूदगी में आमने-सामने चर्चा का दिलचस्प आयोजन रखा गया है।

अमरावती में गिरीश शर्मा को राष्ट्रीय सनातन संस्कृति रत्न अलंकरण देंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • समाज और सनातन संस्कृति की सेवा करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में समर्पित देश के चुनिन्दा लोगों को रविवार को महाराष्ट्र के अमरावती स्थित स्व. सोमेश्वर पुसदकर स्मृति सभागृह, हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल अम्बादेवी मंदिर पर राष्ट्रीय सनातन संस्कृति रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मुद्रा संग्राहक और लोकतंत्र सेनानी गिरीश शर्मा आदित्य का भी नाम शामिल है। इस कार्यक्रम को अमरावती के ज्ञान उदय फाउंडेशन, वर्ल्ड सेवन वंडर्स पब्लिकेशन, रेडिएंट टैलेंट बुक ऑफ़ रिकार्ड्स के संयुक्त तत्वावधान में संजोया गया है जिसमें महाराष्ट्र के अनेक राजनेता एवं समाजसेवी भी अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

भोपाल से आगे निकली इंदौर मेट्रो, नए ट्रैक पर दौड़ेगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर मेट्रो की येलो लाइन के दूसरे फेज को सरकार ने हरी झंडी दे दी है। 20 जून को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर सुपर कॉरिडोर-2 से रेडिसन चौराहे तक के रूट का लोकार्पण करेंगे। इसके एक दिन बाद 21 जून से आम लोगों के लिए मेट्रो नए ट्रैक पर दौड़ने लगेगी। भोपाल स्थित मेट्रो कार्यालय में किराया, फेरे और शेड्यूल को लेकर मंथन चल रहा है। अगले तीन-चार दिन में इस पर अंतिम निर्णय हो जाएगा।

सुपर कॉरिडोर-2 से रेडिसन चौराहे तक का मेट्रो कॉरिडोर शुरू होने पर यह इंदौर मेट्रो का सबसे व्यस्त और अधिक यात्री घनत्व वाला रूट बन जाएगा। इस रूट से सीधे 4 से 6 लाख लोगों को लाभ मिलने का अनुमान है, जबकि फीडर बसों और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के जरिए यह संख्या 8 से 10 लाख तक पहुंच सकती है।

यह कॉरिडोर सुपर कॉरिडोर, गांधी नगर, लवकुश, सुखलिया, विजय नगर, स्कीम- 78, स्कीम- 54 और रेडिसन चौराहे जैसे प्रमुख रिहाइशी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों को जोड़ेगा। विशेष रूप से विजय नगर और

रेडिसन क्षेत्र शहर के प्रमुख व्यावसायिक और आवासीय केंद्र हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है।

इंदौर में जिस रूट से मेट्रो गुजरेगी, वहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट और खुद की गाड़ियों से रोज 10 लाख लोग सफर करते हैं। इंदौर में जिस रूट से मेट्रो गुजरेगी, वहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट और खुद की गाड़ियों से रोज 10 लाख लोग सफर करते हैं।

इस रूट पर कई बड़ी कंपनियों के ऑफिस

इस रूट के दायरे में टीसीएस, इंफोसिस और यश टेक्नोलॉजीज जैसी बड़ी आईटी कंपनियों के कैंपस हैं। इसके अलावा एसईजेड, आईटी पार्क, एयरपोर्ट, शैक्षणिक संस्थान, होटल और कई कॉर्पोरेट कार्यालय भी इसी कॉरिडोर के आसपास हैं। केवल टीसीएस और इंफोसिस के कैंपस ही हजारों कर्मचारियों की क्षमता रखते हैं। मेट्रो संचालन के शुरुआती चरण में इस कॉरिडोर पर रोजाना 25 से 40 हजार यात्री सफर कर सकते हैं, वहीं सुपर कॉरिडोर और आसपास के क्षेत्रों के विकसित होने के बाद यह संख्या 60 हजार से लेकर एक लाख यात्रियों रोज तक पहुंच सकती है। कुल मिलाकर सुपर कॉरिडोर-2 से रेडिसन चौराहे तक का मेट्रो रूट इंदौर के आईटी हब, एयरपोर्ट क्षेत्र और प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ने वाला अहम कॉरिडोर साबित होगा, जिससे लाखों लोगों को तेज, सुगम और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने ओंकारेश्वर में तैयारियों का जायजा लिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने शुक्रवार को पुलिस महानिरीक्षक अनुराग एवं पुलिस उप महानिरीक्षक सिद्धार्थ बहुगणा के साथ ओंकारेश्वर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आगामी 18 एवं 19 जून को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के ओंकारेश्वर के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के सम्बंध में की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, पुनासा एसडीएम श्री पंकज वर्मा, सिकल सेल एनीमिया की स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ. रूही खान के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने इस दौरान ओंकारेश्वर में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल एवं हैलिपेड पर जाकर वहां की व्यवस्थाओं के सम्बंध में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने ज्योतिर्लिंग मन्दिर में जाकर वहां की जाने वाली व्यवस्थाओं के सम्बंध में भी अधिकारियों को निर्देशित किया। कमिश्नर डॉ. खाड़े ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को हैलिपेड एवं कार्यक्रम स्थल पर बेरिकेडिंग के सम्बंध में निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल व्यवस्था, वहां की साफ-सफाई तथा शहर की सड़कों की रिपेयरिंग के लिए मुख्य नगरपालिका अधिकारी से कहा। डॉ. खाड़े ने कार्यक्रम स्थल पर ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारी कर्मचारियों के लिए फोटोयुक्त पहचान पत्र जारी करने के लिए भी कहा। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की ड्यूटी लगाने के निर्देश भी दिए।

भारतीयों की मौत पर केंद्र सरकार की चुप्पी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल, गिरीश जोशी, दीपक छाबड़ा एवं दीपक वानखेड़े के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज पलसीकर चौराहा पर अमेरिकी राष्ट्रपति का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। स्ट्रेट ऑफ हॉरमुज़ क्षेत्र में भारतीय मालवाहक जहाजों पर हुए हमलों तथा नागरिकों की मृत्यु की घटनाओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की निष्क्रियता और चुप्पी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति का पुतला दहन कर केंद्र सरकार से भारतीय नागरिकों एवं व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। नेताओं ने कहा कि भारतीय जहाजों एवं नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन लगातार हो रहे हमलों और भारतीय नागरिकों की मौत के बावजूद केंद्र की भाजपा सरकार प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध शास्त्रीय नर्तक डॉ. पुरू दाधीच को दी बधाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कत्थक नृत्य की 'दाधीच शैली' के प्रवर्तक और 'पद्म श्री' से सम्मानित डॉ. पुरु दाधीच को 'संगीत नाटक अकादमी रत्न' से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. दाधीच ने भारत की शास्त्रीय नृत्य परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उनके इस सम्मान से कला, साहित्य व संस्कृति की नगरी इंदौर सहित संपूर्ण मध्यप्रदेश की प्रतिष्ठा राष्ट्रीय स्तर पर और बढ़ी है।

धर्म समाज को चैतन्यता और निर्भयता प्रदान करता है : जगदगुरु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हमारी सनातनी संस्कृति परम्पराओं और मर्यादाओं पर केन्द्रित है। वर्तमान युग धर्म जागरण का है। धर्म प्रदर्शन के लिए नहीं, दर्शन के लिए होता है। धर्म समाज को चैतन्यता और निर्भयता प्रदान करता है। दुनिया को हमारा धन चाहिए लेकिन भगवान को केवल हमारा मन चाहिए। यदि हम अपने मन को फूल की तरह तरोताजा, सुगन्धित और सुंदर बनाकर भगवान को समर्पित करें तो निश्चित ही भगवान प्रसन्न हुए बिना नहीं रहेंगे। रुक्मणी विवाह नारी के

आत्मसम्मान की रक्षा और उसके मंगल का सूचक है। ये दिव्य विचार हैं वृन्दावन के जगदगुरु श्री गोपेश्वर चैतन्य महाराज के, जो उन्होंने शुक्रवार को मनोरमागंज स्थित गीता भवन पर मारवाड़ी माहेश्वरी प्रगति मंडल की मेजबानी में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में महारास एवं श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंगों की व्याख्या के दौरान व्यक्त किए। कथा में रुक्मणी विवाह का उत्सव पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

श्री गिरनार समर्पण मीटिंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •गिरनार यात्रा 2026 हेतु इंदौर में 14 जून रविवार को महाबैठक, उदासीन आश्रम इंदौर में जुटेगा सकल जैन समाज । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि 9 जुलाई गुरुवार को गिरनार आह्वान यात्रा का इंदौर आगमन, एवं 20 जुलाई सोमवार को गिरनार जी में चढ़ेगा निर्वाण लाडू*लाखों भक्तों की सन्निधि में । संयोजक मयंक जैन ने कहा कि आप आये, अपनों को लाएं एवं सभी तीर्थरक्षकों को भी लाये' - सकल जैन समाज से अपील अपने अपने सुझाव और सहयोग से यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लें। दद्दू ने कहा कि गिरनार यात्रा 2026* को ऐतिहासिक बनाने* हेतु सकल जैन समाज, इंदौर* द्वारा गिरनार समर्पण मीटिंग '* का आयोजन 14 जून 2026, रविवार शाम 8:00 बजे श्री दिगंबर जैन उदासीन आश्रम, इंदौर* में किया गया है।

कॉलोनाइजर की मौत के बाद कथित सुसाइड नोट वायरल, बेटे ने 100 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप उठाया

देवास • कॉलोनाइजर प्रेम कुमार अग्रवाल की गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस मामले में शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक सुसाइड नोट वायरल हुआ, जिससे नया मोड़ आ गया। कॉलोनाइजर के बेटे विनायक अग्रवाल ने मीडिया के सामने आकर गंभीर आरोप लगाए और पिता के लिए न्याय की मांग की। पुलिस वायरल हो रहे कथित सुसाइड नोट की जांच कर रही है। प्रेम कुमार ने कुछ व्यक्तियों का उल्लेख किया है। इसमें मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक लेनदेन और धोखाधड़ी सहित कई मुद्दों का जिक्र है। नोट में 100 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का उल्लेख किया गया है, जिसे उन्होंने अपनी परेशानी का मुख्य कारण बताया है।

कंडवाल को हटाने के लिए लिखा पत्र, 25 करोड़ की कृषि भूमि सहित करोड़ों की संपत्ति की लोकायुक्त जांच जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आय से अधिक संपत्ति मामले में लोकायुक्त के निशाने पर आए महिला एवं बाल विकास विभाग इंदौर के ज्वाइंट डायरेक्टर लक्ष्मीनारायण कंडवाल की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। लोकायुक्त पुलिस ने उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई और पद से हटाने की अनुशंसा करते हुए राज्य शासन को पत्र भेजा है। वहीं छापे के बाद अब उनकी चल-अचल संपत्तियों की गहन जांच शुरू कर दी गई है। लोकायुक्त पुलिस द्वारा बुधवार को स्कीम नंबर-103 स्थित आवास, जिम और व्यावसायिक परिसरों पर की गई छापामार कार्रवाई में

करोड़ों रुपए की अनुपातहीन संपत्ति का खुलासा हुआ था। जांच के दूसरे दिन सामने आए आंकड़ों के अनुसार आरोपी के नाम और आधिपत्य वाली संपत्तियों का दायरा पहले के अनुमान से कहीं अधिक बड़ा पाया गया है। जांच में अब तक आरोपी के आधिपत्य वाली 16.479 हेक्टेयर (करीब 40.72 एकड़) कृषि भूमि सामने आई है, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 25 करोड़ रुपए आंका गया है। यह संपत्ति विभिन्न क्षेत्रों में फैली हुई बताई जा रही है। जांच में स्कीम नंबर-140 स्थित एक-एक हजार वर्गफीट के दो प्लॉटों की अनुमानित कीमत करीब ढाई करोड़ रुपए पाई गई है। वहीं स्कीम नंबर-103 में स्थित लगभग 2712 वर्गफीट के व्यावसायिक परिसर का बाजार मूल्य करीब 6 करोड़ 80 लाख रुपए और उसके निर्माण की अनुमानित लागत लगभग 2 करोड़ रुपए आंकी गई है। लोकायुक्त टीम को छापे के दौरान आरोपी के आधिपत्य से मिली विभिन्न वस्तुओं और संपत्तियों की इनवेंटरी का मूल्यांकन भी किया गया। प्रारंभिक आकलन में बरामद सामग्री की कुल कीमत 1 करोड़ 6 लाख 58 हजार 85 रुपए पाई गई है। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए राज्य शासन को पत्र भेजा है।

कांग्रेस की लापरवाही से नटराजन का नामांकन निरस्त : उषा ठाकुर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म निरस्त होने के बाद से ही राजनीति गर्माई हुई है। इंदौर में मीडिया से चर्चा करते हुए भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता उषा ठाकुर ने पूरे घटनाक्रम को कांग्रेस की नासमझी, संगठनात्मक कमजोरी और आपसी गुटबाजी का नतीजा बताया है। उन्होंने कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे उनकी राजनीतिक हताशा करार दिया है।

पार्षद चुनाव जितनी समझदारी भी नहीं दिखा पाई कांग्रेस - भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता उषा ठाकुर ने कहा कि नामांकन रद्द होने के लिए भाजपा कहीं से भी जिम्मेदार नहीं है, बल्कि इसके लिए कांग्रेस खुद कसूरवार है। उषा ठाकुर ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा तो एक छोटे से पार्षद चुनाव तक में बेहद सावधानी बरतते हुए हमेशा 'डमी प्रत्याशी' खड़ा करती है। इसके विपरीत कांग्रेस ने लोकसभा और राज्यसभा जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण और बड़े चुनाव में भी जरूरी सतर्कता और गंभीरता नहीं दिखाई। यह उनकी घोर लापरवाही और संगठनात्मक नासमझी को उजागर करता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका पर राहत न दिए जाने का हवाला देते हुए कहा कि अब इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी हो चुका है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा के जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने इस पूरे विवाद को कांग्रेस की आंतरिक कलह बताया। चावड़ा ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म रिजेक्ट होना कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी और आपसी खींचतान का सीधा परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस देश में कानून और संविधान से ऊपर कोई नहीं है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

अपने अस्तित्व पर आया खतरा तो ममता को याद आया इंडिया गठबंधन

सम्पादकीय

क्या दुनिया अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातों पर भरोसा कर सकती है?

ट्रंप जब कहते हैं कि युद्ध खत्म करने या विराम को लेकर सहमति बन सकती है, तो उससे शेयर बाजार में राहत के साथ-साथ प्रभावित देशों के भीतर शांति और स्थिरता की उम्मीद पैदा हो जाती है। मगर इससे बेखबर ट्रंप अगले ही दिन इसके उलट या भ्रम पैदा करने वाला कोई और बयान दे देते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन कोई न कोई ऐसा बयान देते हैं, जिसके बाद कई स्तर पर उथल-पुथल हो जाती है। हालांकि आमतौर पर कुछ ही समय के बाद वे या तो अपनी बात से उलट कुछ नया कह देते हैं या फिर उसे वापस ले लेते हैं। विडंबना यह है कि वैश्विक कद के मद्देनजर ट्रंप के बयानों को बिल्कुल बेमानी मान लेना भी संभव नहीं होता और उनके विचारों को स्थिर मानना भी मुश्किल होता है। दरअसल, कई बार बेहद हड़बड़ी में की गई उनकी टिप्पणियों की वजह से ऐसी स्थितियां पैदा हुईं, जिनका वैश्विक स्तर पर व्यापक असर हुआ, लेकिन वे खुद अपनी बातों को लेकर गंभीर नहीं दिखे। मसलन, करीब दो महीने पहले जब पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत नाकाम हुई थी, तब ट्रंप ने युद्ध की आग ज्यादा भड़कने को लेकर लगातार कई धमकियां दी थीं। इसके बाद शेयर बाजार में 4500 से ज्यादा अंकों की तेज गिरावट दर्ज की गई थी। मगर जब भी वे हमलों के धीमा पड़ने या बातचीत को लेकर सकारात्मक बयान देते हैं, तो उसके बाद शेयर बाजार में भारी उछाल देखा जाता है। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से दुनिया के ज्यादातर देशों की आपूर्ति श्रृंखला बाधित है और वे भी ट्रंप के रुख को लेकर फिक्रमंद रहते हैं। ट्रंप जब कहते हैं कि युद्ध खत्म करने या विराम को लेकर सहमति बन सकती है, तो उससे शेयर बाजार में राहत के साथ-साथ प्रभावित देशों के भीतर शांति और स्थिरता की उम्मीद पैदा हो जाती है। मगर इससे बेखबर ट्रंप अगले ही दिन इसके उलट या भ्रम पैदा करने वाला कोई और बयान दे देते हैं। गौरतलब है कि गुरुवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी की कि बहुत जल्द ईरान के तेल-गैस उद्योगों और खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लिया जाएगा और इसके लिए अमेरिका आज रात ईरान पर व्यापक पैमाने पर हमला करेगा। जाहिर है, इसके बाद युद्ध के और जटिल शक्ल अख्तियार करने को लेकर व्यापक आशंका पैदा हुई। मगर इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने कहा कि ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ रही है और इस वजह से उस पर बमबारी रद्द कर दी गई है।

साल 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद और हालिया विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त झेलने के बाद, करीब एक साल बाद पूरा विपक्ष एक मेज पर आया है लेकिन इस बैठक की टाइमिंग और इसके पीछे का राजनीतिक तनाव बेहद गहरा है। यह बैठक एकजुटता दिखाने से ज्यादा, गठबंधन के भीतर सुलग रही अंदरूनी बगावत, राज्यों में खोई जमीन और 2029 की चुनावी गोटियां सेट करने की एक हताश कोशिश है। हाल ही आए पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने विपक्ष को एकजुट होने के लिए मजबूर कर दिया है। राजनीतिक समीकरण कुछ यूं बदला है कि... जो ममता बनर्जी 2024 से पहले इंडिया गठबंधन में कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ बागी तेवर दिखा रही थीं... अब वहीं ममता कांग्रेस के पीछे खड़ी नजर आ रही है... जबकि जो डी एम के कांग्रेस के साथ खड़ी थी अब बागी हो चुकी है...ऐसे में सवाल ये है कि आखिर विपक्ष इस बार किन मुद्दों पर एकजुट होगा... और कैसे ? डी एम के का बागी होना इंडिया गठबंधन के लिए कितना घातक साबित होगा ? दरअसल 'इंडिया गठबंधन' ममता बनर्जी का एक ऐसा महत्वाकांक्षी राजनीतिक ख्वाब था, जो अधूरा ही रह गया। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकजुटता की वकालत करते हुए इस मोर्चे के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन उनकी यह रणनीति बंगाल में कांग्रेस और वाम दलों के साथ मतभेदों के चलते धरातल पर नहीं उतर सकी।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद फाल्टा री-पोलिंग में टीएमसी प्रत्याशी का जमानत जब्त होने और पार्टी में लगातार बगावत झेल रहीं ममता बनजी को इंडिया गठबंधन की याद आई है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को एक फेसबुक लाइव में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस को याद किया। ममता ने कहा कि इंडिया गठबंधन के लोग जून के पहले सप्ताह में एक बार फिर से मिलेंगे। साथ ही उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन की बैठक में एक संयुक्त रणनीति पर चर्चा हो सकती है। यह भी कहा कि विपक्षी खेमा एक लंबी राजनीतिक लड़ाई के लिए तैयार है। ममता बनर्जी को विपक्षी एकता की याद आना हास्यास्पद विषय प्रतीत होता है,

मोदी विरोधी विपक्षी इंडिया गठबंधन को ताकत देने के उद्देश्य से उसकी बैठक में शामिल हुईं ममता बनर्जी को तब एक और बड़ा झटका लगा जब इंडिया गठबंधन की बैठक के समानांतर तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने अलग से बैठक कर टीएमसी से अलग होने और नया गुट बनाने का फैसला कर लिया। यही नहीं, टीएमसी के कई सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मुलाकात की और इस दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे। इन घटनाक्रमों ने राष्ट्रीय राजनीति में भारी हलचल पैदा कर दी है और ममता बनर्जी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस मिलन के पहले 2024 के लोकसभा चुनाव से

करीब एक साल पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजपी से अलग होकर इंडिया गठबंधन बनाने की शुरुआत की थी । नीतीश कुमार खुद सभी राज्यों में गए और विपक्षी नेताओं को एकजुट करने की कोशिश की। इसी प्रयास से 23 जून 2023 पटना में करीब 15-16 विपक्षी दलों का जुटान हुआ। इसके बाद 17 और 18 जुलाई 2023 को बेंगलुरु में दूसरी बैठक हुई, जिसमें राहुल गांधी ने इसको औपचारिक नाम इंडिया गठबंधन दिया। इसी बैठक में नीतीश कुमार को संयोजक बनाए जाने की बात हो रही थी, लेकिन ममता बनर्जी बैठक पूरी तरह खत्म होने के पहले ही बेंगलुरु से कोलकाता की फ्लाइट पकड़ लीं। इसके बाद 31 अगस्त और 1 सितंबर 2023 को मुंबई में हुई बैठक में इंडिया गठबंधन के लिए 14 सदस्यीय केंद्रीय समन्वय समिति बनी, लेकिन ममता बनर्जी के अड़ंगे की वजह से एक बार फिर नीतीश कुमार को संयोजक नहीं बनाया गया। माना जाता है कि तभी से नीतीश कुमार नाराज हो गए और उन्होंने विपक्षी एकता को छोड़कर एक बार फिर से एनडीए में आने का फैसला ले लिया था। इससे विपक्षी एकता के प्रयास को जबरदस्त झटका लगा, क्योंकि जिस नेता ने इंडिया गठबंधन के कॉन्सेप्ट की शुरुआत की थी वही छोड़कर भाग गए। नीतीश कुमार के अलग होने के बाद राहुल गांधी आगे बढ़कर इंडिया गठबंधन को बनाए रखने की कोशिश में जुटे। लेकिन यहां भी ममता बनर्जी ने अपनी हनक दिखाई। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी ने टीएमसी के साथ गठबंधन करने के लिए हर संभव कोशिश की। मीडिया में खबर यहां तक आई कि राहुल गांधी केवल लोकसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी के लिए केवल बहरामपुर सीट पर भी टीएमसी से गठबंधन को तैयार थे, लेकिन सत्ता की हनक में ममता बनर्जी कहां सुनने वाली थीं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट देने से मना कर इंडिया गठबंधन की एकता को तिलांजलि देती दिखीं। यहां तक कि उन्होंने कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर से हराने के लिए क्रिकेटर यूसूफ पठान को उतारकर साफ संदेश दे दिया कि वह कांग्रेस को कतई तवज्जो देने वाली नहीं हैं। इतना ही नहीं, ममता ने यह तक कहा- 'राहुल गांधी विपक्ष का चेहरा बने रहे तो नरेंद्र मोदी को कोई नहीं हरा सकता।' जबकि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के सामने बुरी हार होने के बाद धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए सबसे पहला फोन कॉल राहुल गांधी ने ही उन्हें किया था। इसके अलावा इंडिया गठबंधन की पहली बैठक से ही वामदल हमेशा साथ नजर आए। समय काल परिस्थिति को समझते हुए कांग्रेस ने कई बार प्रयास किया कि ममता बनर्जी वामदलों को साथ लेने पर हामी भरें, लेकिन वह कभी भी तैयार नहीं हुईं। राजनीति के जानकारों ने कहा कि जिस तरह से बिहार में लालू-नीतीश साथ आए, यूपी में 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा साथ आने की हिम्मत जुटाई, उसी तरह ममता बनर्जी अगर बंगाल में वामदलों और कांग्रेस को साथ लेकर चलती हैं तो शायद इंडिया गठबंधन आज कुछ ज्यादा ही मजबूत नजर आता। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के अंदर इंडिया गठबंधन के किसी भी घटक दल को साथ लेकर चलने को तैयार नहीं हुईं।

इतना नहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले और उसके बाद भी कई मौकों पर ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन के अंदर ही अपने हिसाब का गठबंधन बनाती दिखीं। ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन के नेताओं अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव के साथ अलग ही एकजुटता दिखाने की कोशिश करती दिखीं। वह ऐसा मैसेज देने की कोशिश करती देखीं गईं कि वह देश में कांग्रेस के बिना कोई नया गठबंधन बनाना चाहती हैं। गौर करें कि जब 2023 में इंडिया गठबंधन की नींव रखी गई थी तब इसके कई नेता सत्ता में थे। खुद ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री थीं। तमिलनाडु में एमके स्टालिन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और पंजाब में भगवंत मान, झारखंड में हेमंत सोरेन, बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव मिलकर सरकार चला रहे थे। केरल में वामदलों की तरफ से पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल रहे थे। कांग्रेस भी कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल में अपने बूते की सरकार चला रही थी। ममता बनर्जी की जिद्द के चलते 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उतना एकजुट नहीं रह पाया, जितने की उम्मीद की जा रही थी। आज आलम है कि इंडिया गठबंधन के जितने बड़े नेता हैं वह सभी सत्ता से बाहर हैं। केवल हेमंत सोरेन झारखंड जैसे छोटे राज्य में सत्ता चला रहे हैं और कांग्रेस की कुछ एक राज्यों में सरकारें हैं।

आज ममता बनर्जी ना केवल खुद सत्ता से बाहर हो गईं हैं, बल्कि उनकी पार्टी के अस्तित्व का खतरा मंडराता दिख रहा है। 15 साल से सत्ता पर काबिज रहीं ममता बनर्जी भवानीपुर विधानसभा सीट पर 265 में से 200 बूथों पर सुवेंदु अधिकारी से पीछे रहीं। फाल्टा री-पोलिंग में उनकी पार्टी का उम्मीदवार वोटिंग से पहले ही चुनाव से हट गया। मोदी विरोधी विपक्षी इंडिया गठबंधन को ताकत देने के उद्देश्य से उसकी बैठक में शामिल हुईं ममता बनर्जी को तब एक और बड़ा झटका लगा जब इंडिया गठबंधन की बैठक के समानांतर तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने अलग से बैठक कर टीएमसी से अलग होने और नया गुट बनाने का फैसला कर लिया। यही नहीं, टीएमसी के कई सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मुलाकात की और इस दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे। इन घटनाक्रमों ने राष्ट्रीय राजनीति में भारी हलचल पैदा कर दी है और ममता बनर्जी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।उसके पूर्व 80 में से 60 सदस्य अपना गुट बना चुके है ।

अब बात करें इस बैठक कि तो इसका एक दूसरा पहलू भी जिस पर ध्यान देना जरुरी है । इसी बैठक से एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने न केवल सुर्खियां बटोरीं बल्कि सोशल मीडिया पर भी छा गई। यह तस्वीर थी कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी तथा पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की। वायरल तस्वीर में सोनिया गांधी ममता बनर्जी को गले लगाती हुई दिखाई दे रही हैं। ममता ने भी मुस्कुराते हुए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पश्चिम बंगाल में करारी हार के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात थी। सोशल मीडिया के अनुसार जब दो कमजोर लोग दुश्मनी के बाद वापस गले मिलते है तो उसके कई अर्थ निकले जाते है । अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या पश्चिम बंगाल के बाद ममता बनर्जी के लिए दिल्ली की राजनीति भी मुश्किल होती जा रही है? विधानसभा चुनाव 2026 में मिली हार के बाद पार्टी में मची उठापटक के बीच तृणमूल कांग्रेस के बीच भगदड़ मची हुई है । ममता के बागियों के बारे में चर्चा के बाद अब लौट आते है उस मूल सवाल पर की क्या ममता बनर्जी वापस कांग्रेस का रुख करेंगी? क्या ञ्जरूष्ट का कांग्रेस में विलय होगा? तृणमूल कांग्रेस के गहरे दबाव में होने की कई बड़ी वजहें हैं। सत्ता हाथ से जाते ही बंगाल में वर्षों से जारी वर्चस्व और कथित अराजकता का जो माहौल था,उसकी प्रतिक्रिया अब जमीन पर दिखने लगी है। टीएमसी के दूसरे सबसे बड़े नेता अभिषेक बनर्जी तक पर हमले की घटनाएं हो चुकी हैं। सत्ता का संरक्षण हटते ही पार्टी में भगदड़ की स्थिति है। तृणमूल के तमाम सांसद, विधायक और जमीनी नेता लगातार कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के संपर्क में बने हुए हैं। अभिषेक बनर्जी के पुराने कार्यबल और रवैये को लेकर पार्टी में जो असंतोष था,वह अब खुलकर सतह पर आने लगा है। ममता यह भली-भांति जानती हैं कि केंद्रीय सत्ता के पूर्ण प्रभाव के सामने प्रादेशिक छत्रप के तौर पर अकेले टिक पाना नामुमकिन है।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

टांडा अस्पताल में एक भी डॉक्टर नहीं, दोनों डॉक्टर्स ने स्वैच्छिक पोस्टिंग ली

दैनिक इंदौर संकेत

टांडा • टांडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में अब एक भी डॉक्टर नहीं बचा है। सरकार की स्वैच्छिक पोस्टिंग सूची जारी होने के बाद यहां पदस्थ दोनों डॉक्टर्स का तबादला हो गया है। इसके चलते आदिवासी बहुल इस पूरे इलाके में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। टांडा सीएचसी में तैनात डॉ. नितिन श्रीवास्तव ने परीक्षा पास करने के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नरवाली में अपनी पोस्टिंग करवा ली है। वहीं, अस्पताल में तैनात दूसरे डॉक्टर यत्न जैन का तबादला रिंगनोद अस्पताल में हो गया है। इन दोनों डॉक्टरों के जाने के बाद से टांडा अस्पताल पूरी तरह डॉक्टर विहीन हो चुका है। तबादलों का असर सिर्फ टांडा ही नहीं बल्कि बाग अस्पताल पर भी पड़ा है। बाग सीएचसी में तैनात महिला डॉक्टर शेफाली जायसवाल ने अपनी पोस्टिंग नीमच करवा ली है, जिसकी वजह से अब बाग अस्पताल में महिला मरीजों के इलाज के लिए कोई महिला डॉक्टर उपलब्ध नहीं है।

पाइपलाइन फूटी, 50 फीट ऊंचा फव्वारा छूटा, 150 हॉर्स पावर पंप का पानी 35 मिनट बहा

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • खरगोन में नगर पालिका की कुंदा नदी के पुल से गुजर रही मुख्य राइजिंग पाइपलाइन शुक्रवार शाम 4:45 बजे फूट गई। इससे करीब 50 फीट ऊंचा फव्वारा छूटा और लाखों लीटर पानी कुंदा नदी में बह गया। यह घटना पहाड़सिंहपुरा क्षेत्र में पुराने पुल के पास हुई। उस समय 150 हॉर्स पावर के पंप से रहीमपुरा टंकी में पानी भरा जा रहा था। पाइपलाइन फटने के बाद लगभग 35 मिनट तक पानी कुंदा नदी में बहता रहा। सूचना मिलते ही नगर पालिका के अधिकारी मौके पर पहुंचे। जल शाखा की टीम ने तत्काल पानी की सप्लाई रोकी। शहर की पेयजल योजना का रखरखाव जेएमसी कंपनी द्वारा किया जा रहा है और उसकी टीम मरम्मत कार्य में जुटी है। यह पाइपलाइन वॉटर वर्क्स से कुंदा पुल पार हिस्से की है, जिससे औरंगपुरा, दामखेड़ा और रहीमपुरा क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति होती है। इस घटना से लगभग 15 हजार की आबादी की पेयजल सप्लाई प्रभावित हुई है। नगरपालिका के जल शाखा प्रभारी संजय सोलंकी ने बताया कि जेएमसी कंपनी द्वारा मेंटेनेंस का काम चल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शनिवार को पेयजल सप्लाई बहाल कर दी जाएगी।

ब्रिक्स प्रतिनिधिमंडल ने मांडू का दौरा किया केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज भी पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

मांडू •ब्रिक्स देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मांडू का दौरा किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने ऐतिहासिक जहाज महल का भ्रमण किया और स्थानीय संस्कृति से परिचित हुए। धार जिला प्रशासन ने 180 प्रतिनिधियों का भारतीय परंपरा के अनुसार तिलक लगाकर और बुके भेंट कर स्वागत किया।प्रतिनिधिमंडल के जहाज महल पहुंचने पर 'अतिथि देवो भव' के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। आजीविका समूह की महिलाओं ने भारतीय परंपरा के अनुसार अक्षत-तिलक लगाकर और आरती उतारकर मेहमानों का आत्मीय स्वागत किया। मुख्य द्वार पर स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत किए, जिसने विदेशी मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ मेहमान लोक नृत्यों की थाप पर थिरकते भी नजर आए। आदिवासी लोक संस्कृति भगोरिया नृत्य दल ने मादल की थाप पर नाचते-गाते हुए प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

मादल की थाप थिरके विदेशी मेहमान

एक तरफ मांडू में जहाज महल की दूधिया रोशनी और ठंडी हवाओं के बीच आदिवासी लोक संस्कृति मादल की थाप पर भगोरिया नृत्य की टीम के साथ आए हुए डेलिगेट्स अपने आप को रोक नहीं पाए नाचने लगे।

कलेक्टर और एसपी ने किया सत्कार

धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना और पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने मेहमानों को मांडू की प्राचीन खुरासानी इमली और बुके भेंट कर उनका सत्कार किया। जहाज महल की भव्यता देखकर प्रतिनिधियों ने इसे 'बहुत सुंदर और शांत जगह' बताया। उन्होंने मांडू के गौरवशाली इतिहास और स्थापत्य कला की सराहना की।

बाग प्रिंग के स्टॉल्स लगाए

भ्रमण के दौरान धार जिले की विश्व प्रसिद्ध 'बाग प्रिंट' के विशेष स्टॉल्स भी लगाए गए थे। आजीविका समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए बाग प्रिंट के वस्त्रों और डिजाइनों को देखकर प्रतिनिधिमंडल के सदस्य प्रभावित हुए। उन्होंने भारत के इस समृद्ध हस्तशिल्प और 'वोकल फॉर लोकल' पहल की प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, धार विधायक मीना वर्मा, इंदौर कमिश्नर सुदामा खाड़े, डीआईजी मनोज कुमार सिंह ,आदिम जाति कल्याण विभाग के डीसी बृजेश पांडे आदि लोगों ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और अतिथियों का स्वागत किया इस बेहद संवेदनशील और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजन को शून्य-त्रुटि (ढ्ढह्म्श-श्वह्म्श्वह्म्) के साथ संपन्न कराने में जिला प्रशासन ने सफलता के नए आयाम छुए। कलेक्टर राजीव रंजन मीना और पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा की सीधी निगरानी, रूट मैनेजमेंट और सुरक्षा चक्र के चलते पूरा वीआईपी प्रोटोकॉल अचूक रहा।

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना का काम धीमा पड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

धार • इंदौर-दाहोद रेल परियोजना, जिसे जिले की महत्वपूर्ण और लंबे समय से प्रतीक्षित परियोजनाओं में माना जाता है, इन दिनों धीमी रफ्तार से आगे बढ़ती नजर आ रही है। कुछ समय पहले पीथमपुर से धार तक सफल रेल ट्रायल होने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि निर्माण कार्य में तेजी आएगी, लेकिन ट्रायल के बाद परियोजना की गति अपेक्षाकृत धीमी दिखाई दे रही है।

परियोजना के तहत रेलवे लाइन बिछाने, स्टेशन निर्माण, पुल-पुलियाओं और अन्य जरूरी ढांचागत कार्यों का काम विभिन्न स्थानों पर जारी है। धार जिले के कई हिस्सों में निर्माण कार्य चल रहा है,

लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि काम की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं है। कई जगह मशीनें और श्रमिक काम करते नजर आते हैं, फिर भी परियोजना की कुल प्रगति धीमी महसूस हो रही है।

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना को मालवा और आदिवासी अंचल के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके पूरा होने से धार, पीथमपुर और आसपास के क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। साथ ही व्यापार, उद्योग, शिक्षा और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र को सीधा रेल संपर्क मिलने से माल परिवहन आसान हो जाएगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि परियोजना का बड़ा हिस्सा पूरा होने की ओर है, लेकिन शेष कार्यों में तेजी लाने की जरूरत है। उनका मानना है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित गति से आगे बढ़ा तो क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना रेल संपर्क का सपना जल्द पूरा हो सकेगा। फिलहाल क्षेत्रवासी परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी आने और इंदौर-दाहोद रेल लाइन पर नियमित रेल संचालन शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

गोहत्या केस में फरार आरोपी पंचायतों का पसंदीदा ठेकेदार, 20 लाख के सरकारी प्रोजेक्ट अधर में

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा• खंडवा जिले के बड़िया तुला गांव में बकरीद पर सामने आए गोहत्या मामले का मुख्य आरोपी खलील ठेकेदार अब भी फरार है। इसे जिले की कई ग्राम पंचायतों का पसंदीदा ठेकेदार माना जाता है। इसकी देख-रेख में कई निर्माण कार्य पूरे हुए हैं, जबकि कई प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। जिस आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है, उसके भरोसे छोड़े गए पंचायतों के सरकारी निर्माण कार्य अब अधर में लटक गए हैं। खंडवा जनपद की जावर ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन श्मशान घाट का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के तहत करीब 20 लाख रुपए की लागत से यह काम मंजूर हुआ है। निर्माण कार्य खलील के माध्यम से कराया जा रहा था। मौके पर श्मशान घाट का काम अधूरा मिला। परिसर में फेंसिंग का कुछ हिस्सा और मोक्ष द्वार के लिए लगाए गए पिलर दिखाई दिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश से पहले काम पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन आरोपी के फरार होने के बाद निर्माण की गति धीमी पड़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण सामग्री और कार्य संचालन की जिम्मेदारी भी उसी के पास थी, जिसके कारण परियोजना प्रभावित हुई है। मौके पर श्मशान घाट का निर्माण अधूरा मिला। परिसर में केवल फेंसिंग का कुछ हिस्सा और मोक्ष द्वार के लिए लगाए गए पिलर ही दिखाई दिए।

मोदी सरकार ने सर्वांगीण विकास किया : सावित्री ठाकुर

दैनिक इंदौर संकेत

धार • मनावर भाजपा जिला कार्यालय में बीजेपी की बैठक हुई, जिसमें पार्टी को मजबूत करने और आने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री और धार-महू सांसद सावित्री ठाकुर सहित कई बड़े नेता और पदाधिकारी शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 12 सालों में सेवा, ईमानदारी और जनता की भलाई को ध्यान में रखकर देश का चारों तरफ से विकास किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की अलग-अलग योजनाओं के जरिए समाज के सबसे पिछड़े और आखिरी व्यक्ति तक विकास का फायदा पहुंचाने का बड़ा काम किया गया है। संभाग संगठन प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने मंडल अध्यक्षों और प्रभारियों को जमीनी स्तर पर काम करने का तरीका बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में पार्टी की असली ताकत वहां के शक्ति केंद्रों (बूथ स्तर) की सक्रियता और उनके असर पर टिकी होती है।

फीफा वर्ल्ड : साउथ कोरिया का विजयी आगाज़, ह्वांग इनबोम ने दागा विजयी गोल, 2-1 से हराया चेक गणराज्य

मेक्सिको सिटी (एजेंसी) • फीफा वर्ल्ड कप 2026 में एक समय ऐसा लग रहा था कि साउथ कोरिया को अपने ही बनाए मौकों की कीमत चुकानी पड़ सकती है। टीम लगातार हमले कर रही थी, मौके बना रही थी, लेकिन गोल नहीं आ रहा था। फिर दूसरे हाफ में चेक गणराज्य ने बढ़त लेकर साउथ कोरिया को और मुश्किल में डाल दिया। हालांकि, ह्वांग इनबोम ने पहले बराबरी करवाई और फिर उनकी मदद से ओह ह्योनग्यू ने गोल दागकर साउथ कोरिया को फीफा वर्ल्ड कप में जीत के साथ शुरुआत दिला दी। ह्वांग इनबोम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। ग्वाडलहारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में साउथ कोरिया ने पहले हाफ से ही अपना दबदबा बनाए रखा। टीम ने कई बार चेक गणराज्य के डिफेंस को परेशान किया, लेकिन गोलकीपर माटेज कोवार को मात नहीं दे सकी। कोवार ने 14वें मिनट में ली कांगिन के तेज बाएं पैर से लगाए गए शॉट को शानदार तरीके से रोक दिया। 56वें मिनट के आसपास सोन को फिर मौका मिला, लेकिन फिर कोवार ने उनका प्रयास नाकाम कर दिया। इसके बाद 59वें मिनट में मैच का रुख अचानक बदल गया। चेक गणराज्य ने खेल के प्रवाह के खिलाफ बढ़त हासिल की। कप्तान लादिस्लाव क्रेजी ने व्लादिमीर कूफल के लंबे थ्रो पर शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। हालांकि, साउथ कोरिया ने हार नहीं मानी। सिर्फ आठ मिनट बाद ह्वांग इनबोम ने शानदार अंदाज में बराबरी की। ली कांगिन के बेहतरीन पास को हासिल करने के बाद ह्वांग ने अंदर की ओर कट किया और गेंद को खूबसूरती से गोलकीपर के ऊपर से निकाल दिया। इसके बाद 80वें मिनट में ह्वांग फिर अहम साबित हुए। उनके दाएं ओर से दिए गए लो क्रॉस पर ओह ह्योनग्यू ने गोल कर कोरिया को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम मिनटों में चेक गणराज्य ने बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन साउथ कोरिया की रक्षा पंक्ति को नहीं भेद पाया। 82वें मिनट में एडम ह्लोजेक के शॉट पर किम सेउंगग्यू ने शानदार बचाव कर चेक गणराज्य की आखिरी बड़ी उम्मीद भी खत्म कर दी।

फिल्म में वेदांग रैना और नाओमिका के साथ अब प्रगति की एंट्री

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेता वेदांग रैना की आगामी फिल्म को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है, जिसने फिल्म के प्रति उत्साह को और बढ़ा दिया है। इस फ़िल्म में वेदांग रैना के साथ नाओमिका सरन के मुख्य भूमिका में होने की चर्चा थी, लेकिन अब एक और प्रतिभाशाली अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी इस प्रोजेक्ट में एंट्री हो चुकी है। यह फिल्म एक दिलचस्प मिश्रण होने वाली है, जिसमें रोमांस, कॉमेडी और रहस्य का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी में इन दोनों अभिनेत्रियों के किरदारों की अहम भूमिका होगी, जो कई अप्रत्याशित मोड़ लेकर आएंगे। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है, लेकिन इसका निर्माण मैडॉक फिल्म्स जैसे प्रतिष्ठित बैनर तले हो रहा है, जो गुणवत्तापूर्ण सिनेमा के लिए जाना जाता है। निर्देशन की बागडोर जगदीप सिद्धू संभाल रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले भी कई सफल फ़िल्में दी हैं।

डे-नाइट मैच आज, दोपहर 1:30 बजे से मुकाबला

धर्मशाला (एजेंसी) • अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में शनिवार को भारत और अफग़ानिस्तान के बीच पहला वनडे मुकाबला खेला जाएगा। वनडे में टीम इंडिया के आगे भले ही अफगानिस्तान का रिकॉर्ड कोई खास नहीं रहा है, लेकिन फिर भी इस मैच के रोमांचक होने की उम्मीद है। दोपहर 1:30 से शुरू होने वाले पहले डे-नाइट वनडे मैच को लेकर न सिर्फ क्रिकेट प्रेमियों, बल्कि खिलाडियों में भी खासा उत्साह है। धर्मशाला में देश भर सहित अफगानिस्तान से भी प्रशंसक दुनिया के बड़े क्रिकेट खिलाडियों को मैदान पर खेलते देखने के लिए पंहुच रहे हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान हिटमैन रोहित शर्मा, कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और अन्य भारतीय स्टार खिलाड़ी पहले ही धर्मशाला पहुंच चुके हैं, जिससे क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह और बढ़ गया है। एचपीसीए के सचिव मनुज शर्मा ने कहा कि इंद्रूनाग देवता के आशीर्वाद से मैच की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, और एसोसिएशन एक और यादगार इंटरनेशनल मैच की मेज़बानी करने के लिए उत्साहित है।

धर्मशाला में भारतीय टीम ने अब तक कुल पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इन मैचों में भारतीय टीम को तीन में जीत मिली और दो में हार का सामना करना पड़ा। धर्मशाला में पहला वनडे मैच 27 जनवरी, 2013 को भारत बनाम इंग्लैंड के बीच खेला गया, जिसमें इंग्लैंड ने सात विकेट से जीत हासिल की थी। वहीं 17 अक्तूबर, 2014 को भारत बनाम वेस्टइंडीज मैच में भारत 59 रन से जीता। इसके बाद 10 दिसंबर, 2017 को भारत बनाम श्रीलंका के बीच हुए मुकाबले में श्रीलंका ने सात विकेट से जीत हासिल की। 16 अक्तूबर, 2016 भारत बनाम न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला हुआ, जिसे भारत ने जीता है। 22 अक्तूबर, 2023 को ही भारत बनाम न्यूजीलैंड (विश्व कप) के मैच में भारत चार विकेट से जीत दर्ज की। वहीं, धर्मशाला में अब तक कुल नौ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं। धर्मशाला में आखिरी मैच विश्व कप का था, जो कि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 28 अक्तूबर, 2023 को खेला गया था। भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए एकदिवसीय मैचों की बात करें, तो अब तक इन दोनों टीमों के बीच चार एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं, जिनमें भारत ने तीन में जीत हासिल की है, जबकि एक मैच टाई रहा है।

सौरव गांगुली बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 की करेंगे मेजबानी

मुंबई (एजेंसी) • बंगाली दर्शकों के लिए फिर से रियलिटी शो बिग बॉस लौटने जा रहा है। निर्माताओं ने बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है, जिसने दर्शकों में जबरदस्त उत्साह का संचार किया है। यह घोषणा न केवल इस शो के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर है, बल्कि यह बंगाली टेलीविजन उद्योग में मनोरंजन के एक नए युग का भी संकेत देती है। शो का मंचन एक बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, और इसके हर पहलू पर बारीकी से काम किया जा रहा है ताकि दर्शकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान किया जा सके। इस सीजन की सबसे बड़ी और आकर्षक खासियत यह है कि शो को बंगाल के सबसे लोकप्रिय चेहरों में से एक और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली होस्ट करते नजर आएंगे। निर्माताओं द्वारा जारी किए गए एक विशेष वीडियो में सौरव गांगुली की झलक दिखाई गई है, जिसने फैंस की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। दादा के नाम से मशहूर सौरव गांगुली का टेलीविजन पर आना हमेशा से दर्शकों के लिए रोमांचक रहा है, और उनकी होस्टिंग दर्शकों को शो से बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। घोषणा करते हुए मेकर्स ने लिखा, भारत के सबसे बड़े मनोरंजन का मंच अब बंगाल में आ रहा है।

उज्जैन संभाग

सिंहस्थ को फायर प्रूफ बनाने के लिए कुंभ मेले की टीम ने दिया प्रेजेंटेशन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • संभाग आयुक्त आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित फायर सेफ्टी प्लानिंग की प्रारंभिक बैठक कलेक्टर सभागृह में आयोजित हुई। उत्तर प्रदेश की फायर सेफ्टी टीम के साथ प्रयागराज कुंभ 2025 में की गई फायर सेफ्टी प्रबंधन व्यवस्था का प्रेजेंटेशन देखा। उत्तर प्रदेश के फायर सेफ्टी अधिकारी (बुलंदशहर) प्रमोद शर्मा और अंशुल मित्तल फायर सेफ्टी अधिकारी (लखनऊ) ने प्रयागराज कुंभ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

संभाग आयुक्त ने बताया उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ को फायर प्रूफ बनाने के लिए बेहतर प्रबंधन और रिस्पांस समय को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश के दल के साथ शुक्रवार को मंथन किया गया। उत्तर प्रदेश के फायर सेफ्टी अधिकारी ने सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह को प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल स्थित कलेक्टर सभागृह में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश के दल ने बताया कि प्रयागराज कुंभ मेला 2025 को फायर सेफ्टी प्रबंधन के साथ सबसे कम समय में रिस्पांस करने के लिए भी जाना जाता है। किसी भी स्तर पर आग लगने की घटना में हमारा रिस्पांस समय 2 से 3 मिनट रहा है और ऐसी व्यवस्थाएं उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के आयोजन में भी की जाना है। प्रेजेंटेशन के दौरान फायर सेफ्टी अधिकारी श्री प्रमोद शर्मा ने बताया कि प्रयागराज कुंभ के दौरान सभी अखाड़ों में एक-एक फायर सेफ्टी टीम तैनात की गई थी। इसी के साथ 54 फायर स्टेशन और 27 फायर पोस्ट मेला क्षेत्र में बनाई गई थी। हर एक किलोमीटर के दायरे में एक फायर स्टेशन रखा गया था। ट्रिपल स्टेज रिस्पांस सिक्योरिटी सिस्टम को लागू किया गया था। इसी के साथ मेले क्षेत्र में 44 फायर टावर भी बनाए गए और लगभग 4870 फायर हाइड्रेंट मेला क्षेत्र में बनाए गए थे। प्रयागराज महाकुंभ 2025 का मेला एरिया 4 हजार हेक्टेयर का था जिसमें 1900 हेक्टेयर पार्किंग के लिए रखा गया था। मेला क्षेत्र में 450 किलोमीटर की आंतरिक सड़क बनाई गई थी और लगभग 20 लाख लोगों ने दो महीने कल्पवास भी प्रयागराज में किया था। इन सभी व्यवस्थाओं को देखते हुए प्रयागराज में दो माह पहले से ही सभी फायर इंस्ट्रूमेंट तैनात कर दिए गए थे, और उनकी क्वालिटी चेकिंग के लिए टीम भी लगातार कार्य कर रही थी। मेले को 10 जोन और 25 सेक्टर में बांटकर पूरी व्यवस्थाएं बनाई गई थी। मेला क्षेत्र में सभी फायर स्टेशन पर 20 हजार लीटर के वाटर टैंक अंडर ग्राउंड भी रखे गए थे, जिससे आवश्यकता होने पर उस पानी का उपयोग आग बुझाने में किया जा सके। इसके साथ ही जल निगम, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस बल के साथ कमान कंट्रोल सेंटर में अधिकारियों की 24 घंटे ड्यूटी रहती थी। प्रयागराज मेले में मॉक ड्रिल पर सबसे अधिक फोकस किया गया था, जिससे कि किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए हमारे कर्मचारी पूरी तरह तैयार रहें। प्रयागराज मेले में आग लगने की घटनाओं का रिकॉर्ड रखने के लिए भी बीई, इलेक्ट्रिक के छात्रों को लगाया गया था। इन सभी को ट्रेनिंग दी गई। सभी कर्मचारियों को रुकने के लिए भी सभी व्यवस्थाएं मेला क्षेत्र में ही की गई। सभी तकनीकी उपकरणों को बेहतर क्वालिटी के साथ टेस्ट भी किया गया था। पूरे मेला क्षेत्र में आग से कैजुअल्टी नहीं हुई, यह प्रयागराज मेले की हमारी उपलब्धि थी।

इस अवसर पर फायर सेफ्टी अधिकारी अंशुल मित्तल ने बताया कि उज्जैन सिंहस्थ मेला 2028 को भी फायर सेफ्टी बनाने के लिए हम सभी लगातार मेहनत करेंगे और जब-जब भी प्रशासन द्वारा बुलाया जाएगा, हम अपना प्रेजेंटेशन और अनुभव का लाभ उज्जैन सिंहस्थ में उपलब्ध कराएंगे। बैठक में नगर निगम के आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, अपर आयुक्त श्री संतोष टैगोर सहित पुलिस के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सिहस्थ में 250 किमी दूर तक के ट्रैफिक पर रहेगी अधिकारियों की नजर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सिंहस्थ मेला 2028 में ग्लोबल प्रबंधन और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं जियोइन्फॉर्मेटिक्स संस्थान, गांधीनगर (गुजरात) के महानिदेशक श्री टीपी सिंह और उनके दल के साथ बैठक की। बैठक में सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत की जा रही विभिन्न योजनाओं पर विचार-विमर्श कर निर्माणाधीन परियोजनाओं की जानकारी दी गई तथा उनसे संबंधित प्रबंधन कार्ययोजना तैयार करने को लेकर चर्चा की गई। सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल स्थित कलेक्टर सभागार में शुक्रवार को संभागायुक्त सिंह ने भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं जियोइन्फॉर्मेटिक्स संस्थान के महानिदेशक श्री टीपी सिंह के साथ सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर चर्चा की। बैठक में पीएम गति शक्ति प्लेटफॉर्म एवं जियोग्राफिकल स्पेशल तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के लिए विचार-विमर्श हुआ।

बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि एपीआई के माध्यम से सिंहस्थ मेले की संपूर्ण जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर डेटा के साथ उपलब्ध कराने की योजना तैयार की जाएगी। इसके माध्यम से करीब 250 किलोमीटर की परिधि में ट्रैफिक नियंत्रण के साथ ट्रेन, बस और छोटे वाहनों के रूट की जानकारी भी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। सिंहस्थ महापर्व के दौरान पार्किंग, घाट, मेला क्षेत्र में पहुंच मार्ग, आवश्यक सूचना एवं कम्युनिकेशन की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा सकेंगी। संभागायुक्त सिंह ने सिंहस्थ 2028 की तैयारियों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को संस्थान के साथ समन्वय कर पूरा प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, अपर आयुक्त श्री संतोष टैगोर एवं उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री संदीप सोनी भी उपस्थित रहे।

महाकाल मंदिर के सुरक्षाकर्मियों ने श्रद्धालुओं को पीटा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाकाल मंदिर में एक बार फिर श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। घटना 11 जून की सुबह करीब 6:45 बजे गणेश मंडपम में हुई। शुक्रवार को वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दो युवक लाइन के बैरिकेड पर चढ़कर दूसरी लाइन में पहुंच गए। वह लाइन शीघ्र दर्शन की थी। वहां मौजूद गार्डों की नजर उन पर पड़ी तो दोनों को रोक लिया, जिससे विवाद बढ़ा था। मंदिर के गार्ड दो युवकों का कॉलर पकड़कर उनसे मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर श्रद्धालुओं ने मंदिर समिति और सुरक्षाकर्मियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए तथा विभिन्न प्रतिक्रियाएं दीं। वीडियो वायरल होने के बाद महाकाल मंदिर समिति ने भी अपना पक्ष रखा।

नीलगाय पकड़ने का अभियान चला, बौमा पद्धति से सिर्फ 4 नीलगाय पकड़ी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन जिले के करोहन गांव में किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रही नीलगायों को पकड़ने के लिए वन विभाग ने शुक्रवार सुबह एक विशेष अभियान चलाया। इस अभियान में पहली बार खुले क्षेत्र में 'बौमा पद्धति' का उपयोग किया गया, जिसका उद्देश्य नीलगायों को सुरक्षित रूप से पकड़ना था। अभियान में लगभग 100 वन विभाग के कर्मचारी, 100 से अधिक ग्रामीण और करीब 100 मोटरसाइकिलों का उपयोग किया गया। ग्रामीणों और कर्मचारियों ने मिलकर कई किलोमीटर तक खेतों और खुले मैदानों में नीलगायों को घेरा और एक निर्धारित दिशा में दौड़ाया। काफी मशक्कत के बाद टीम को चार नर नीलगायों को पकड़ने में सफलता मिली। लेकिन वो भी बोमा नहीं आई,पकड़ी गई नीलगायों की उम्र लगभग 3 से 5 वर्ष के बीच बताई गई है। इन्हें खेतों और खुले इलाकों से निकालकर नियंत्रित क्षेत्र की ओर ले जाया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नीलगाय एक सतर्क और समझदार वन्यजीव है, जिसके कारण खुले क्षेत्र में उन्हें नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण रहा। अभियान में शामिल ग्रामीणों ने भी बताया कि कई नीलगायें दूर तक निकल गई थीं, जिससे उन्हें पकड़ने के लिए लंबी दूरी तक पीछा करना पड़ा। वन विभाग अब इस अभियान की समीक्षा करेगा।

काका-भतीजे शिप्रा नदी में डूबे, ढाई घंटे की मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महिदपुर में शिप्रा नदी में डूबने से काका-भतीजे की मौत हो गई। नदी में गिरी चप्पल निकालने के दौरान यह हादसा हुआ है। पुलिस ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शव नदी से बाहर निकाले। महिदपुर नगर स्थित शिप्रा नदी के बड़े पुल पर शुक्रवार को नारायणखेड़ी निवासी आयुष (14) पानी सप्लाई का काम करता था। उसकी चप्पल अचानक नदी किनारे गिर गई। चप्पल निकालने के लिए वह नदी में उतरा, लेकिन गहराई में जाने से डूबने लगा। आयुष को पानी में डूबता देख पास में मौजूद उसके काका आसाराम (25) ने बिना समय गंवाए अपना ट्रैक्टर सड़क किनारे खड़ा किया और उसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी। हालांकि नदी की गहराई अधिक होने के कारण दोनों पानी में समा गए। सूचना मिलते ही महिदपुर पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान शुरू किया गया। हादसे से पूरे नारायणखेड़ी गांव में शोक का माहौल है। मृतक आसाराम की शादी महज एक माह पहले ही हुई थी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए महिदपुर के शासकीय अस्पताल भेज दिया है।

मीनाक्षी नटराजन केस : नामांकन फार्म भरने से शुरू हुई ये तीन गलतियां करती गई कांग्रेस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राज्यसभा में कांग्रेस की प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन की याचिका सुप्रीम कोर्ट में भी खारिज हो गई है। अब उनके पास चुनाव याचिका दायर करने के सिवा कोई विकल्प नहीं बचा है। इस पूरे मामले में कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं की गलतियां भारी पड़ गई हैं। राज्यसभा की तीनों सीट अब बीजेपी के पाले में चली गई है। मप्र में कांग्रेस को जोरदार झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दी है। इस संवेदनशील मामले में कांग्रेस के बड़े दिग्गज नेताओं और उनकी रणनीतिक खामियां खुलकर सामने आ गई हैं। अब निशाने पर मप्र के प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सभी आएंगे। सवाल तो यह भी उठ रहे हैं कि क्या वाकई यह रणनीतिक चूक थी या कोई और वजह रही।

पहली चूक- नामांकन फार्म में एक लाइन भरना : सबसे बड़ी चूक नामांकन फार्म भरने में हुई। इसमें नियम के तहत शपथपत्र के कॉलम पांच में भरना होता है कि क्या कोई क्रिमिनल केस चार्ज फ्रेम हुए या नहीं। इसकी जानकारी नहीं दी गई। कांग्रेस अब कह रही है कि केस ही नहीं था। इस पर इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव कहते हैं कि एक लाइन लिखने में क्या समस्या थी कि चार्ज फ्रेम नहीं हुए। जब आप केस में कई बार एपीयर हुए और जानकारी थी तो केवल एक लाइन ही तो लिखनी थी। इस मामले में नामांकन फार्म भरने वाले कांग्रेस के अधिवक्ता जेपी धनोपिया से भी बात की थी। उन्होंने साफ कहा था कि जब प्रत्याशी ने जानकारी नहीं दी तो वह इसमें कैसे भरते। कांग्रेस की लीगल सेल में कई बड़े वकील मौजूद हैं। इनमें से किसी से इस संबंध में चर्चा कर नामांकन नहीं भरवाया गया। आखिर में यहीं से हार की स्क्रिप्ट लिखा गई। सवाल उठता है कि आखिर क्यों किसी वरिष्ठ अधिवक्ता को इस मामले में नहीं लिया गया।

दूसरी चूक- चुनाव आयोग क्यों गए, वहां अधिकार ही नहीं : कांग्रेस से एक और बड़ी चूक यह हुई कि पार्टी सीधे सुप्रीम कोर्ट जाने की बजाय पहले चुनाव आयोग के पास चली गई। चुनाव आयोग ने एक दिन का वक्त लिया, अगले दिन मिला और बात सुनी। लेकिन कांग्रेस के बड़े नेता और काबिल वकील यह बुनियादी बात भूल गए कि चुनाव आयोग के पास रिटर्निंग ऑफिसर के फैसले के खिलाफ अपील सुनने का कोई अधिकार ही नहीं है। यानी चुनाव आयोग चाहकर भी इस मामले में कुछ नहीं कर सकता था। तो फिर सवाल यह उठता है कि कांग्रेस दिल्ली में चुनाव आयोग के दफ्तर गई ही क्यों? वहां बाहर बैठना, भजन गाना, पूरा नाटक हुआ... लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि कानूनी नियमों के हिसाब से यह रास्ता था ही गलत।

तीसरी चूक- सुप्रीम कोर्ट में जाने में देरी : जब चुनाव आयोग से कोई फैसला नहीं आया, तब कांग्रेस ने महसूस किया कि अब सुप्रीम कोर्ट जाना होगा। लेकिन तब तक दो कीमती दिन बर्बाद हो चुके थे। याचिका गुरुवार 11 जून की सुबह लगी और सुनवाई शुक्रवार 12 जून को हुई। जबकि होना यह चाहिए था कि जिस दिन यानी 9 जून मंगलवार को नामांकन रद्द हुआ, उसी दिन सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना था। क्योंकि समय बहुत कम था। दरअसल गुरुवार 11 जून को शाम चार बजे नाम वापसी की आखिरी तारीख थी। उसके बाद तो निर्विरोध जीत घोषित होनी ही थी। और एक बार निर्विरोध जीत हो जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट भी नियमों के तहत कुछ नहीं कर सकता था।

सुप्रीम कोर्ट पर दिग्विजय की टिप्पणी से बवाल
महापौर भार्गव बोले- अवमानना का केस कराएंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राज्यसभा के लिए कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने के मामले में एक और विवाद हो गया है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने इस मामले में केंद्र, राज्य व चुनाव आयोग के साथ ही सुप्रीम कोर्ट पर विवादित टिप्पणी कर दी है।

राज्यसभा के लिए कांग्रेस की प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म रद्द होने का विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में कांग्रेस पहले चुनाव आयोग पहुंची, लेकिन वहां से फैसला नहीं आया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की, लेकिन केस पर सुनवाई शुक्रवार को होगी। उधर नाम-वापसी का समय गुरुवार शाम चार बजे खत्म हो गया। इसके बाद रिटर्निंग अधिकारी ने बीजेपी के तीनों प्रत्याशियों का नाम निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट खुद संज्ञान ले या फिर हम केस कराएंगे-महापौर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने तो उनकी याचिका को तत्काल लिया और शुक्रवार को सुनवाई लगाई, लेकिन वह ही सोते रहे। अब ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की यह अवमानना है। उन पर अवमानना का केस लगना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट स्वप्रेरणा से उन पर केस दर्ज करे नहीं तो हम उन पर केस कराएंगे। महापौर ने कहा कि वह लगातार संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ गलत टिप्पणी कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि वह भारत के संविधान में विश्वास नहीं रखते हैं और पाकिस्तान का संविधान ही पसंद है।

दो दिन तक सोते क्यों रहे- महापौर

इस पर इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि एक पूर्व सीएम का इस तरह से सर्वोच्च संस्था के खिलाफ शब्दों का प्रयोग करना बेहद दुखद है। वह खुद मिस्टर बंटाधार रहे हैं। मध्यप्रदेश के साथ ही कांग्रेस का भी बंटाधार किया है। पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि वह खुद अपने उम्मीदवार का फॉर्म सही नहीं भरवा सके। केस था तो इसकी एक लाइन की जानकारी देने में क्या हर्ज था? उनके पास इतने विद्वान वकील हैं लेकिन वह दो दिन तक सोते रहे। नियम के अनुसार चुनाव आयोग के पास अपील सुनने का प्रावधान ही नहीं है। चुनाव याचिका भी 30 दिन बाद लगती है। फिर वह दो दिन सोते क्यों रहे, सुप्रीम कोर्ट पहले क्यों नहीं गए?

पूर्व सीएम गुरुवार, 11 जून को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं होने पर नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि चोरी हुई है तो सभी शामिल हैं। राज्य, केंद्र भी, चुनाव आयोग भी और मुझे कहना पड़ रहा है सुप्रीम कोर्ट भी। उन्होंने आगे कहा कि जब कोर्ट को मालूम था कि चार बजे बाद याचिका का मतलब नहीं रहेगा तो फिर कल (शुक्रवार) की तारीख क्यों लगाई? यह मिली-जुली चोरी है। मीनाक्षी पर कोई आपराधिक केस नहीं है।

करो निर्माण, नहीं तो मिलेगा आईडीए का नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विकास प्राधिकरण की अलग-अलग योजनाओं में खाली पड़े भूखंड मालिकों को नोटिस जारी हुए हैं। शहर के अलग-अलग इलाकों में विकास प्राधिकरण की कई योजनाएं हैं जहां खाली भूखंडों को लेकर पहले भी आईडीए की तरफ से जल्द निर्माण को लेकर भूखंड आवंटन प्रक्रिया पूरी की गई थी। कई वर्ष बीत जाने के बावजूद भूखंड मालिकों ने मकान निर्माण नहीं कराया है।

बताया जा रहा है कि नए सीईओ के आने के साथ ही तुरंत खाली पड़े भूखंडों को लेकर कार्रवाई शुरू हो गई है। इसमें भी प्राधिकरण के योजना क्रमांक 97 पार्ट 2, 4 पर अधिक भूखंड हैं जो आज भी खाली पड़े हुए हैं। यहाँ भूखंड मालिकों को कई वर्षों पहले इस शर्त के साथ आवंटित भी किए थे कि समय सीमा में इन भूखंडों पर मकान निर्माण कर लिया जाएगा लेकिन आज भी भूखंड खाली है। यही कारण है कि अब नामांतरण को लेकर भी प्रक्रिया उलझी हुई है। वहीं दूसरी ओर एक निश्चित समय सीमा में भूखंड पर मकान निर्माण भी करना है। प्राधिकरण की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि खाली भूखंड को निगम से नक्शा स्वीकृत कराकर इतने समय में मकान निर्माण कर लिया जाए, अन्यथा कार्रवाई होंगी। यह निर्देश के तहत नोटिस जारी कर दिए गए हैं। हालांकि इसमें कई भूखंड मालिकों की ओर से जवाब भी आ रहे हैं तो कई भूखंड मालिक खुद विकास प्राधिकरण कार्यालय आकर संपदा शाखा में मिल रहे हैं।

मालिनी के करीबी शानू दिघे ने हाईकोर्ट में कहा-
राजनीतिक दबाव में एफआईआर पुलिस की मिलीभगत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विधानसभा चार में हुए बवाल के मामले में विधायक मालिनी गौड़ के करीबी सौरभ उर्फ शानू दिघे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। साथ ही एफआईआर को राजनीतिक दबाव का परिणाम बताया है। शानू दिघे ने पुलिस पर मिलीभगत और निष्पक्ष जांच नहीं करने के आरोप लगाए हैं।

इंदौर विधानसभा चार में 7 जून को हुए बवाल के मामले में शानू दिघे आरोपी बनाए गए हैं। शानू ने हाईकोर्ट में एफआईआर रद्द करने और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि राजनीतिक दबाव में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस पर उनकी पत्नी के आवेदन पर कार्रवाई नहीं करने और मिलीभगत के आरोप लगाए गए हैं। हाईकोर्ट ने मामले की केस डायरी तलब की है, अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी। इंदौर विधानसभा चार की विधायक मालिनी गौड़ के समर्थक और करीबी सौरभ उर्फ शानू दिघे ने सत्ता से लेकर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शनिवार और रविवार को हुए बवाल के बाद रविवार शाम पांच बजे अन्नपूर्णा पुलिस थाने में एफआईआर हुई। इसमें शानू भी आरोपी हैं। इसमें वीरेंद्र शेंडगे, विधायक के पीए प्रणय चित्तौड़ा के साथ मनीष ईमोलिया, अमित कोकाटे, प्रशांत सोनी गिरीश शेंडेगे भी आरोपी हैं। इन सभी पर हत्या के प्रयास की धारा, घर में जबरदस्ती घुसने और संगठित अपराध जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। शानू दिघे ने इसमें सत्ता से लेकर पुलिस तक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शानू ने कहा है कि इसमें वह फरियादी हैं और उनके घर पर हमला हुआ है। दर्जन भर लोग डंडे और तलवार लेकर घर में घुसे। पत्नी कविता का मंगलसूत्र छीना गया साथ ही घर से 20 ग्राम सोने की चेन लूटी गई।

शानू दिघे ने हाईकोर्ट में दायर की याचिका

दिघे ने इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें कई गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही पत्नी कविता द्वारा थाने में दिए गए आवेदन भी पेश किए हैं। इस मामले में हाईकोर्ट ने पुलिस से केस डायरी तलब की है। अगले सप्ताह सुनवाई होगी।

उमस से बेहाल इंदौर, बारिश के लिए करना पड़ सकता है और इंतजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और आंधी का दौर जारी है, लेकिन इंदौर में अभी भी गर्मी और उमस से राहत नहीं मिल रही है। शुक्रवार को शहर में दिन और रात दोनों का तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार मानसून अभी मध्यप्रदेश से काफी दूर है, ऐसे में इसके तय समय पर पहुंचने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। शुक्रवार को इंदौर का अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। आसमान साफ रहने और वातावरण में नमी अधिक होने से दिनभर उमस बनी रही। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस वर्ष इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में प्री-मानसून गतिविधियां अपेक्षाकृत कमजोर रही हैं। प्रदेश के कई जिलों में ट्रफ लाइन और चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से बारिश हुई है, लेकिन इन मौसम प्रणालियों का असर इंदौर संभाग में सीमित रहा। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी मध्यप्रदेश से काफी दूर है। ऐसे में 15 से 18 जून के बीच मानसून के इंदौर पहुंचने की संभावना कम दिखाई दे रही है। हालांकि सोमवार से इंदौर और आसपास के जिलों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी हो सकती है।

भोपाल की एजेंसी होलकर राजवंश का इतिहास दिखाएगी
लालबाग पैलेस में टेंडर जारी, भोपाल की कंपनी करेगी काम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लालबाग पैलेस में इन दिनों अब कई काम तेजी से चल रहे हैं। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम की ओर से लगातार अलग अलग कंपनियों को ठेके देने के साथ ही तुरंत वर्क आर्डर भोपाल से ही मिल रहे हैं। इसके साथ ही कंपनी को निर्देश भी दिए जा रहे हैं कि समय सीमा में काम करना है। यदि किसी भी तरह लापरवाही होती है तो तुरंत कार्रवाई होगी।

बताया जा रहा है कि लालबाग पैलेस में अभी हाल ही में अलग अलग काम होने के साथ ही कई ऐसे काम भी होने जा रहे हैं जो इस धरोहर को बेहतर बनाने में एक सार्थक प्रयास सरकार का माना जा रहा है। ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विख्यात लालबाग पैलेस जहां पिछले दिनों मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कई कामों को लेकर भूमि पूजन किया था। यहां पर कई काम होने जा रहे हैं और मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के अधीन भोपाल की एजेंसी यहां पर शीघ्र ही काम शुरू करने जा रही है। लालबाग पैलेस में काम होने के बाद यहाँ पर वर्ष 1886 से लेकर 1921 तक होलकर राजवंश के इतिहास की जानकारी भी महल में दी जाएगी। अभी महल में लाइट एंड साउंड शो पहले था और जो ध्रुव तारा आदि भी दिखाया जाता था वह भी बंद है। इसे फिर से शुरू करने की योजना है। होलकर राजवंश के इतिहास की कलाकृतियों से लेकर स्मृति चिन्ह से लेकर कई इतिहास की गाथाओं की जानकारी एक ओर जहां लालबाग पैलेस में रखी जाएगी। वहीं राजवाड़ा महल में भी इसको सुरक्षित रखने की योजना बनाई गई है। महल में मौजूद पुरानी धरोहर कलाकृतियों का संरक्षण करने की जानकारी पहले से मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम को दी गई है जहां पर बेहतर काम होने की उम्मीद है। मध्यप्रदेश टूरिज्म विभाग द्वारा छोटे छोटे अपने स्तर पर टेंडर जारी किए जा रहे हैं ताकि यहां पर जल्द ही काम देखने को मिल सकता है। लालबाग पैलेस में अब कई सर्व सुविधायुक्त काम होने जा रहे हैं और तकरीबन 37-38 करोड़ रुपये की लागत से यहां पर काम किया जा सकता है। फिलहाल सर्वप्रथम लालबाग पैलेस में भोपाल के एजेंसी काम की शुरुआत करने जा रही है।

लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन का संचालन हुआ शुरू
नई स्टेशन बिल्डिंग पूरी तरह तैयार...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन की नई स्टेशन बिल्डिंग पूरी तरह तैयार हो चुकी है और शुक्रवार से इसका संचालन शुरू किया गया। प्रारंभिक चरण में स्टेशन मास्टर सहित अन्य विभागों के कार्यालय नई इमारत में स्थानांतरित किए जाएंगे। इसके बाद आगामी 15 दिनों में टिकट काउंटर, वेटिंग हॉल और अन्य यात्री सुविधाओं का संचालन भी नई बिल्डिंग से शुरू हो जाएगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार नई स्टेशन बिल्डिंग पुराने भवन की तुलना में लगभग दोगुनी बड़ी है। इसका निर्माण आधुनिक डिजाइन और यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखकर किया गया है। भवन की लंबाई लगभग 100 मीटर और चौड़ाई 40 मीटर है। स्टेशन को भविष्य की बढ़ती यात्री संख्या और रेल यातायात को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

ग्राउंड फ्लोर पर मिलेंगी प्रमुख सुविधाएं : नई बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर यात्रियों के लिए विशाल वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर, पूछताछ केंद्र, स्टेशन मास्टर कक्ष, हेल्थ यूनिट, आरपीएफ कार्यालय, पार्सल कार्यालय और अन्य प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था भी की गई है।

प्रथम तल पर होंगे कार्यालय : बिल्डिंग की पहली मंजिल पर रेलवे के विभिन्न विभागों के कार्यालय संचालित होंगे। यहां इलेक्ट्रिकल, सिग्नल एवं दूरसंचार, इंजीनियरिंग और अन्य शाखाओं के कार्यालय स्थापित किए जाएंगे। इससे स्टेशन संचालन और प्रशासनिक कार्यों में बेहतर समन्वय हो सकेगा।

इंदौर आने वाली ट्रेनों का बढ़ेगा संचालन : रेलवे अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन के विस्तार के बाद यहां ट्रेनों की आवाजाही बढ़ाने की योजना है। इससे इंदौर आने-जाने वाली कुछ ट्रेनों को लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से भी संचालित किया जा सकेगा, जिससे मुख्य रेलवे स्टेशन पर दबाव कम होगा।

इंदौर इंटरनेशनल विधि कॉलेज ने अपने छात्रों को कराया विधानसभा भ्रमण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आईआईसी (इंदौर इंटरनेशनल) विधि महाविद्यालय का मध्य प्रदेश विधानसभा भ्रमण एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अनुभव रहा, जिसमें विद्यार्थियों को संसदीय कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश विधानसभा और पं. कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को राजनीतिक प्रक्रिया, विधायिका की कार्यप्रणाली और बजट सत्र की कार्यवाही की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

प्रशिक्षण के दौरान, विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश बजट सत्र की कार्यवाही के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके माध्यम से उन्हें समझाया गया कि बजट सत्र किस प्रकार राज्यों की आर्थिक नीतियों और विकास कार्यों को आकार देता है। इस संदर्भ में के.एल. दलवानी, उपसचिव (से.नि), मध्य प्रदेश शासन और मिलिंद वायकर, अतिरिक्त सचिव (वित्त) से.नि, मध्य प्रदेश शासन ने अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

कार्यक्रम में आई.आई.सी विधि महाविद्यालय, इंदौर इंटरनैशनल कॉलेज के प्रोफ़ेसर्स एवं विधानसभा के अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। राजेश गुप्ता, अपर सचिव, मध्य प्रदेश शासन, संसदीय कार्य विभाग तथा संचालक, संसदीय विद्यापीठ, भोपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संसदीय प्रणाली की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही, एम.के. राजोरिया, अवर सचिव, मध्य प्रदेश शासन, संसदीय कार्य विभाग तथा उप संचालक, संसदीय विद्यापीठ ने भी अपने विचार साझा किए। अतिथियों द्वारा सभी प्रशिक्षित विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया, जो उनके इस महत्वपूर्ण अनुभव की मान्यता थी।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुनीत द्विवेदी, समूह निदेशक, द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी अधिकारियों और प्रशिक्षकों का स्वागत किया। स्वागत भाषण डॉ. नेहा शर्मा चौधरी (समूह मार्केटिंग निदेशक) ने दिया, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम के महत्व और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। अंत में आभार जताते हुए डॉ. प्रीति दरक, आई.आई.सी लॉ कालेज की प्राचार्या, ने सभी अतिथियों और प्रशिक्षकों का धन्यवाद किया। समन्वय प्राध्यापक संदीप चौबे ने कार्यक्रम की योजना व क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आई.आई.सी विधि महाविद्यालय का मध्य प्रदेश विधानसभा भ्रमण साधारण से कहीं अधिक महत्वपूर्ण रहा। यह न केवल विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धन का अवसर था, बल्कि उन्हें राजनीतिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करने का एक सार्थक प्रयास भी था। संस्थान के अध्यक्ष एड. अक्षांशु तिवारी ने इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के लिये आई. आई. सी विधि महाविद्यालय को हार्दिक बधाई दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**

सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।